हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 15 : | जौनपुर, सोमवार 09 अक्टूबर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

ISRO पर 100 से ज्यादा साइबर अटैक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अइंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के सॉफ्टवेयर पर हर दिन 100 से ज्यादा साइबर अटैक होते हैं। ISRO चीफ एस सोमनाथ ने रविवार को केरल के कोच्चि में दो दिवसीय इंटरनेशनल साइबर कॉन्फ्रेंस के दौरान कही। सोमनाथ ने कहा– रॉकेट तकनीक में साइबर हमलों की संभावना बहुत अधिक होती है, क्योंकि इसमें एडवांस सॉफ्टवेयर और चिप का इस्तेमाल किया जाता है। यह खतरा कितना भी बड़ा हो, ISRO ऐसे हमलों से बचने के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। हमारा सिस्टम साइबर सुरक्षा नेटवर्क से लैस है। इसमें किसी तरह से सेंध नहीं लगाई जा सकती। इसरो प्रमुख ने आगे कहा कि सॉफ्टवेयर के अलावा, संगठन रॉकेट के अंदर हार्डवेयर चिप्स की सुरक्षा पर भी फोकस कर रहा है। इसके लिए अलग–अलग प्रकार से टेस्टिंग की जा रही है। सोमनाथ ने कहा– पहले हम एक सैटेलाइट की निगरानी करने के लिए सॉफ्टवेयर तैयार करते थे। अब वही काम कई सैटेलाइट के लिए किया जा रहा है। इससे पता चलता है समय के साथ टेक्नोलॉजी बदल रही है।

सुरक्षित देश लौटीं अभिनेत्री नुसरत भरुचा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। घंटो तक युद्ध वाले इजराइल में फंसे रहने के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा आखिरकार सुरक्षित देश लौट आई हैं। अभिनेत्री के देश लौटने की खबर सुनकर उनके चाहनेवालों ने राहत की सांस ली है। अभिनेत्री तीन बजे के करीब मुंबई एयरपोर्ट से बाहर निकलती हुई स्पॉट हुईं। इस दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया है। वीडियो में, नुसरत पिंक कलर की ड्रेस में अपने सामान के साथ एयरपोर्ट से निकलते हुए दिखाई दे रही हैं। एयरपोर्ट से निकलने के तुरंत बाद अभिनेत्री को मीडिया ने घेर लिया और उनसे सवाल पूछने शुरू किए। इस दौरान नुसरत काफी ज्यादा परेशान नजर आईं। अभिनेत्री का चेहरा उतरा हुआ था और वो लगभग रोने जैसी हालत में थीं। नुसरत भरुचा हाइफा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग लेने के लिए इजराइल गयी थी।

इजराइल अटैक के बीच बढ़ गई सोने-चांदी की मांग

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल और गाजा में इन दिनों जोरदार जंग हो रही है। हमास के लड़ाकों ने इजराइल में घुसपैठ कर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा है। अब तक कई लोगों की जान भी जा चुकी है और कई लोगों को बंधक बनाया गया है। तेल अवीव पर हमास के आतंकवादियों के हमले के बाद से ही स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इजराइल और गाजा में युद्ध बढ़ने लगा है। मिडिल ईस्ट में बीते कुछ महीनो से शांति स्थापित थी हालांकि अब यहां की स्थिति काफी गंभीर हो गई है। हमास ने इसराइल पर हमला कर दिया है जिसके बाद मिडल ईस्ट में एक बार फिर से उथल–पुथल का माहौल हो गया है। इजराइल और हमास के बीच गंभीर होती स्थिति के बीच अब सोने और चांदी के बाजार पर भी असर दिखने लगा है।

लड़की के शव के साथ और मानवीय व्यवहार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल और फिलीस्तीन के बीच जंग जारी है। हमास की ओर से रॉकेट हमले किए जाने के बाद से यह जंग चल रही है। शनिवार 7 अक्टूबर को इजराइल के दक्षिणी छोर से हमास की लड़ाके देश में घुस गए हैं। लड़ाकों के इजराइल में दाखिल होने के बाद के कई वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहे हैं। इजराइल की सड़कों पर हम आज के लड़के हिंसक गतिविधियों को अंजाम देते हुए दिख रहे हैं। हमास के लड़ाके सड़क पर चलने वाले मुसाफिरों पर गोलियां बरसाते दिख रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ है जिससे लोगों की रूह कांप गई है। इस वीडियो में एक लड़की को हमास के लड़ाके मोटरसाइकिल पर जबरदस्ती बैठ कर ले जाते हैं।

सीएम योगी ने बदरीनाथ के बाद बाबा केदारनाथ के किए दर्शन, ब्रह्म कपाल में किया पितृ तर्पण

देहरादून (एजेन्सी)। भगवान बदरी विशाल के दर्शन करने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाबा केदार के दर्शन किए। सीएम योगी आदित्यनाथ शनिवार को खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम नहीं पहुंच सके थे। वह सीधे बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गए। सीएम योगी का कार्यक्रम शनिवार को केदारनाथ में रात्रि विश्राम का था, लेकिन दोपहर बाद पूरी घाटी में कोहरा छा गया, जिससे उनका हेलिकॉप्टर बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हो गया। आज रविवार बदरीनाथ के ब्रह्म कपाल तीर्थ में पितृ तर्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केदारनाथ पहुंचे। शनिवार को योगी आदित्यनाथ का केदारनाथ आने का कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री के केदारनाथ धाम में आगमन को लेकर प्रशासन, पुलिस, बीकेटीसी द्वारा सभी तैयारियां की गई थी। सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक चौबंद किया गया। सीएम योगी के स्वागत के लिए कई भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी भी केदारनाथ पहुंच गए, लेकिन मौसम ने सभी को निराश कर दिया। दोपहर तक यहां कई हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी, लेकिन करीब ढाई बजे मौसम खराब हो गया। सीएम की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें बदरीनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। बदरीनाथ धाम दर्शन के बाद सीएम योगी आज रविवार सुबह केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचे। इससे पहले सीएम योगी शनिवार को भारत–तिब्बत सीमा माणा पास बार्डर घसतोली में सेना के जवानों के बीच गए थे। उन्होंने बदरीनाथ धाम में निर्माणाधीन यूपी भवन का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति जानी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग को कार्य को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बदरीनाथ धाम में स्थित ब्रह्मकपाल में पितृ तर्पण का विशेष महातम्य है। मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से अन्य तीर्थों के मुकाबले आठ गुना अधिक पुण्य मिलता है। बदरीनाथ मंदिर से करीब 200 मीटर की दूरी पर अलकनंदा नदी के किनारे ब्रह्मकपाल तीर्थ स्थित है। इसे कपाल मोचन तीर्थ के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर पितृ तर्पण या पिंडदान करने का विशेष महत्व है। ब्रह्मकपाल तीर्थ पुरोहित बृजेश सती और मदन कोठियाल कहते हैं कि गया और काशी में भी पिंडदान किया जाता है लेकिन ब्रह्मकपाल में पिंडदान का विशेष महत्व है। किसी ने अन्य जगह अपने पितरों का श्राद्ध या पिंडदान किया हो तो वह ब्रह्मकपाल में भी पिंडदान व श्राद्ध करा सकते हैं। यहां का विधान ऐसा है कि ब्रह्मकपाल में पिंडदान के बाद अन्य जगह पिंडदान नहीं किया जा सकता है। यही कारण है कि श्राद्ध पक्ष में बड़ी संख्या में हिंदू ब्रह्मकपाल में पित्रों का पिंडदान कराने आते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव ने सृष्टिकर्ता भगवान ब्रह्मा का पांचवां सिर काटा तो वह ब्रह्मकपाल में आकर गिरा।

रणनीतिक संबंधों को नया आयाम देंगे भारत और सऊदी अरब

शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। आज भारत तथा सऊदी अरब के मध्य द्विपक्षीय सम्बन्धों की बढ़ती प्रवृत्तियों में रक्षा, रणनीति, सुरक्षा, निवेश, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, व्यापार के साथ–साथ शिक्षा, ऊर्जा तथा प्रसार कारक शामिल हैं। यह उन सम्भावनाओं के बढ़ते सौहार्द्र तथा समझ की स्पष्ट झलक है जिसमें द्विपक्षीय साझेदारी विकसित हुई है। इसका ताजा उदाहरण हमें भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरन भी देखने को मिला। शिखर सम्मेलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस वार्ता के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और समीक्षा हुई। दोनों नेताओं ने देश के बीच रणनीतिक साझेदारी की संभावना को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी विचार विमर्श किया। भारत और सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि इस परिषद के अंतर्गत दोनों समितियां की कई बैठकर हुई है जिनसे हर क्षेत्र में हमारा आपकी सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। बदलते समय की जरूरत के अनुसार हमारे संबंधों में नए और आधुनिक आयाम जुड़ रहे हैं। बताने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2019 में रियाद की यात्रा की थी जिसके बाद भारत सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद का गठन किया गया था। इस परिषद में दो समितियां है जिसमें पहले समिति राजनीतिक सुरक्षा सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग समिति है। वहीं दूसरी समिति अर्थव्यवस्था और निवेश समिति है। जी20 के बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक सितंबर 2022 में रियाद में आयोजित दो समितियां की मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल साउथ और मेरे बीच बातचीत सार्थक रही। व्यापारिक संबंधों की इस बैठक में हमने समीक्षा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध बढ़ेंगे भी और मजबूत भी होंगे। दोनों देशों के बीच ग्रिड कनेक्टिविटी, नवीकरणीय ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग की गुंजाइश अधिक है। सऊदी अरब के साथ विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को गहरा करने के लिए भारत इच्छुक है। दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक में कई एजेंडे शामिल थे जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, खाद्य सुरक्षा, संस्कृति और सामुदायिक कल्याण मुद्दों समिति विपक्षीय सहयोग के मुद्दे शामिल थे। दोनों देशों के नेताओं ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी परिषद के तहत कई अहम फैसले लिए हैं।

कुपोषण और बच्चों के स्कूल छोड़ने की दर करेंगे समाप्त, गृहमंत्री ने की घोषणा

बैठक में मोटा अनाज रागी के बराबर कोदो और कुटकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी किए जाने का फैसला किया गया

देहरादून (एजेन्सी)। देश से कुपोषण समाप्त करना और स्कूली बच्चों का जीरो ड्रॉप आउट हमारी प्राथमिकता है। यह बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कही। उन्होंने हर गांव के पांच किमी के दायरे में बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। वह टिहरी जिले के नरेंद्रनगर में 24वीं मध्य क्षेत्र परिषद की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मोटा अनाज रागी के बराबर कोदो और कुटकी उपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य भी किए जाने का फैसला किया गया। शाह ने कहा कि बच्चों में कुपोषण की समस्या को पूरी संवेदनशीलता के साथ दूर करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसी तरह बच्चों के स्कूल छोड़ने की दर शून्य करने के लिए खास ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने मोटा अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य बराबर किए जाने के फैसले पर कहा कि इससे देशभर विशेषकर मध्य क्षेत्र परिषद के सदस्य राज्यों के करोड़ों किसानों को फायदा होगा। बैठक में तय हुआ कि लाख उत्पादन को संशोधित मौसम आधारित फसल बीमा योजना में शामिल करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से अध्ययन कराया जाएगा। इससे लाख उत्पादन से जुड़े किसानों को लाभ होगा। देश में दो लाख नई प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के गठन पर भी चर्चा हुई। बैठक में रॉयल्टी और खनन संबंधित मुद्दों और वामपंथी उग्रवाद–प्रभावित जिलों में बुनियादी सुविधाओं के निर्माण पर भी विचार–विमर्श किया गया। शाह ने कहा, मध्य क्षेत्र परिषद सदस्य राज्य कृषि, पशुपालन, अनाज उत्पादन, खनन, जल आपूर्ति और पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। इन राज्यों के बिना जलापूर्ति की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी अपने–अपने राज्यों से जुड़े मुद्दे रखे। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। इसमें छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, केंद्रीय गृह सचिव, अंतर राज्य परिषद सचिवालय की सचिव, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और राज्य सरकारों तथा केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकार से बदलकर एक्शन प्लेटफार्म के रूप में कारगर साबित हुई हैं। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों का देश के जीडीपी और विकास में बहुत बड़ा योगदान है। पीएम ने हमेशा सहकारी संघवाद की भावना की मजबूती पर जोर दिया। क्षेत्रीय परिषदों ने समस्याओं का समाधान निकालने, वित्तीय समावेशन बढ़ाने और नीतिगत बदलावों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई।

राजस्थान सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण करवाएगी, आदेश जारी

जारी आधिकारिक बयान के अनुसार सभी वर्गो के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी

जयपुर (एजेन्सी)। राजस्थान सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण करवाएगी जिसके लिए आदेश बीती रात जारी कर दिया गया। सामाजिक न्याय व अधिकारिकता विभाग की ओर से जारी इस आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण करायेगी। देर रात जारी आधिकारिक बयान के अनुसार सभी वर्गो के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार अपने संसाधनों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। इसके अनुसार प्रस्ष्तावित सर्वेक्षण में राज्य के समस्त नागरिकों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर के सम्बंध में जानकारी एवं आकंडेंद्द एकत्रित किए जाएंगे। इसके अनुसार राज्य सरकार द्वारा इनका विशेष अध्ययन कराया जाकर वर्गों के पिछडेप्पन की स्थिति में सुधार लाने के लिए विशेष कल्याणकारी उपाय और योजनाएं लागू की जाएगी। बयान के अनुसार इससे सभी वर्गों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। इसके अनुसार राज्य मंत्रिमंडल के निर्णय की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा द्वारा इस सम्बंध में आदेश जारी किया गया है। इसके अनुसार सर्वेक्षण कार्य आयोजना (आर्थिक एवं सांख्यिकी) विभाग द्वारा नोडल विभाग के रूप में सम्पादित किया जाएगा। इसके अनुसार साथ ही, सभी जिला कलेक्टर सर्वेक्षण के लिए नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम, ग्राम एवं पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवाएं ले सकेंगे। इसके अनुसार कार्य के लिए नोडल विभाग द्वारा प्रश्नावली तैयार की जाएगी जिसमें उन समस्त विषयों का उल्लेख होगा, जिससे प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्तर की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सके। बयान के अनुसार सर्वेक्षण से प्राप्त सूचनाएं एवं आंकड़ें ऑनलाइन फीड किए जाएंगे। बयान के अनुसार इसके लिए सूचना, प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा पृथक से विशेष सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप बनाया जाएगा। इसके अनुसार सर्वेक्षण से प्राप्त संकलित की गई सूचनाएं विभाग सुरक्षित रखेगा। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स एकाउंट पर इस आदेश की प्रति साझा करते हुए लिखा गया, "राजस्थान की कांग्रेस सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण कराएगी। कांग्रेस जिसकी जितनी भागीदारी–उसकी उतनी हिस्सेदारी के अपने संकल्प पर काम कर रही है।" उल्लेखनीय है कि इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि राज्य सरकार बिहार के मॉडल को अपनाते हुए राज्य में जातिगत सर्वेक्षण करवाएगी और यह भी एक बड़ा फैसला है।

वर्ल्ड कप 2023 की यादगार शुरुआत के बाद लखनऊ पहुंची दक्षिण अफ्रीका टीम

लखनऊ (एजेन्सी)। विश्व कप 2023 के अपने पहले ही मैच में यादगार प्रदर्शन कर श्रीलंका को हराने वाली दक्षिण अफ्रीका टीम रविवार दोपहर लखनऊ पहुंच गई है। लखनऊ एयरपोर्ट से सभी दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी होटल के रवाना हो गए। दक्षिण अफ्रीका ने विश्वकप 2023 के अपने पहले मैच में 400 से ज्यादा रन बनाए। इस मैच में तीन बल्लेबाजों क्विंटन डीकॉक, रासी वेन डेर डुसेन और एडेन मार्करैम ने शानदार शतक लगाए। अफ्रीका ने पहले खेलते हुए 50 ओवरों में 428 रन बनाए और श्रीलंका को 102 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने विश्वकप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका की टीम 12 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। रविवार को भारत व आस्ट्रेलिया के बीच चेन्नई में मुकाबला खेला जा रहा है। आस्ट्रेलिया की टीम 9 अक्तूबर को लखनऊ पहुंचेगी। (एयरपोर्ट से निकलते दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाड़ी।) लखनऊ में विश्वकप के पांच मुकाबले खेले जाएंगे। 16 अक्तूबर (ऑस्ट्रेलिया– श्रीलंका) को होने वाले मुकाबले के लिए श्रीलंका 11 अक्तूबर को हैदराबाद से लखनऊ आएगी। 19 अक्तूबर (श्रीलंका–नीदरलैंड) को होने वाले मुकाबले के लिए नीदरलैंड की टीम धर्मशाला से लखनऊ आएगी। 29 अक्तूबर (भारत–इंग्लैंड) को होने वाले मुकाबले के लिए भारत की टीम 25 को धर्मशाला से और इंग्लैंड की टीम 27 को बंगलूरू से लखनऊ पहुंचेगी। शहर में विश्वकप के तहत तीन नवंबर (नीदरलैंड–अफगानिस्तान) को होने वाले मुकाबले के लिए नीदरलैंड की टीम 30 अक्तूबर को कोलकाता से और अफगानिस्तान की टीम 30 अक्तूबर को पुणे से लखनऊ आएगी।

प्राण प्रतिष्ठा के पहले होगा अक्षत पूजन अनुष्ठान, कई अहम बिंदुओं पर हुआ निर्णय

अयोध्या (एजेन्सी)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में कई अहम बिंदुओं पर निर्णय हुआ है। इसी क्रम में तय हुआ है कि विजयदशमी के बाद रामलला की प्राणप्रतिष्ठा से पहले अक्षत पूजन का अनुष्ठान होगा। पूजन के बाद यह अक्षत देश के पांच लाख गांवों में घर–घर भेजा जाएगा। साथ ही मंदिर के उद्घाटन के बाद रामलला के दर्शनार्थियों को प्राण प्रतिष्ठित रामलला का विग्रह प्रसाद स्वरूप भेंट किया जाएगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के पहले भगवान के सम्मुख अक्षत पूजन का कार्यक्रम होगा। इस अनुष्ठान के बाद पूजित अक्षत पूरे भारत में एक सिस्टम के तहत बांटा जाएगा। भारत वर्ष के 50 केंद्रों से दो–दो, चार–चार कार्यकर्ता अयोध्या बुलाए जा रहे हैं। ये कार्यकर्ता भगवान के सम्मुख पूजित अक्षत अपने केंद्रों पर ले जाकर प्लानिंग करेंगे। सभी रामभक्तों से निवेदन किया जाएगा कि अयोध्या जैसा आनंदोत्सव प्राणप्रतिष्ठा के दिन सभी अपने–अपने घरों व मठ–मंदिरों में मनाएं। भजन–कीर्तन, आरती करने को कहा जाएगा। जनता को एकत्र कर टेलीविजन पर रामलला के प्राणप्रतिष्ठा समारोह को लाइव दिखाने की अपील की जाएगी। हर नागरिक अपने घर के दरवाजे पर कम से कम सरसों के तेल के पांच दीपक जलाएं। अक्षत पूजन का अनुष्ठान विजयदशमी के बाद ही संभव हो सकेगा।

फिरहाद हकीम और मदन मित्रा के आवास पर सीबीआई ने की छापेमारी

कोलकाता (एजेन्सी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल में नागरिक निकायों द्वारा की गई भर्तियों में कथित अनियमितताओं से जुड़ी जांच के सिलसिले में रविवार कोलकाता में राज्य सरकार में मंत्री फिरहाद हकीम और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा के आवास पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शहरी विकास और नगरपालिका मामलों के मंत्री हकीम कोलकाता के महापौर भी हैं। वह तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी संगठन में अच्छा खासा प्रभाव रखते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, सीबीआई अधिकारियों की एक टीम केंद्रीय बलों की एक बड़ी टुकड़ी के साथ दक्षिण कोलकाता के चेतला इलाके में हकीम के आवास पर पहुंची। एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, "सीबीआई के दो अधिकारी हकीम से पूछताछ कर रहे हैं।" सीबीआई टीम ने जैसे ही छापेमारी शुरू की, हकीम के समर्थक उनके आवास के बाहर जमा हो गए और विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीबीआई के एक दल ने पूर्व मंत्री और उत्तर 24 परगना जिले के कमरहाटी से विधायक मित्रा के भवानीपुर इलाके में स्थित आवास पर भी छापेमारी की।

बिगड़ते हालातों के बीच एयर इंडिया का बड़ा फैसला, 14 अक्टूबर तक सस्पेंड की फ्लाइट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इजराइल के तेल अवीव पर हमास के आतंकवादियों ने हमला कर दिया है जिसके बाद वहां लगातार हालात बिगड़ते जा रहे हैं। फिलिस्तीन के हमास के आतंकवादियों द्वारा हमले किए जाने के बाद इजरायल में युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। इजरायल की तरफ पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई है। इसी बीच एयर इंडिया ने बड़ा फैसला लिया है। इजराइल में युद्ध जैसे हालात बनने के बाद एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए उड़ाने रद्द कर दी है। हमास आतंकवादियों के हमला करने के बाद एयर इंडिया ने वहां की सभी उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। इसकी जानकारी एयर इंडिया की ओर से दी गई है। इस संबंध में कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तेल अवीव जाने वाली और वहां से आने वाली सभी उड़ानें 14 अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, टिकट बुक कर चुके यात्रियों को उनकी जरूरत के अनुसार पूरा सहयोग दिया जाएगा। एयरलाइन तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है।

सम्पादकीय

विपक्षी दलों के हाथ ओबीसी आबादी का मुद्दा लग गया है

हाल में हुई घटनाओं से यह साफ हो गया है कि 2024 के चुनावों में सामाजिक न्याय का मुद्दा अहम भूमिका निभाने जा रहा है। यह तय है कि विपक्षी पार्टियां अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को सामाजिक न्याय देने के मसले पर वोटरों को एकीकृत करने की कोशिश करेंगी। बिहार सरकार द्वारा जारी किए गए जातिगत जनगणना के आंकड़े ओबीसी आबादी का एक बड़ा प्रतिशत (63:) बताते हैं, जबकि एक अरसे से उनकी संख्या 55: ही होने का अनुमान लगाया जा रहा था। इससे विपक्षी दलों को प्रोत्साहन मिला है कि वे पूरे देश में जातिगत सर्वे कराने की मांग को और पुरजोर तरीके से सामने रखें। वे अब ओबीसी लोगों के पास जाकर उनसे कह सकते हैं कि एक लम्बे समय से उन्हें न्याय से वंचित किया जा रहा है। पहले तो ओबीसी को अरसे तक आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया। इसे 1990 के दशक में मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने के बाद ही दिया गया। लेकिन वह भी ठीक से नहीं किया गया था, क्योंकि क्रीमी लेयर का नया विचार उसमें जोड़ दिया गया था, जो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी–एसटी) आरक्षण में नहीं होता है। दूसरी बात यह कि जहां एससी–एसटी को देश की कुल आबादी में उनके हिस्से के अनुपात में आरक्षण दिया गया था, वहीं ओबीसी के लिए यह कुल आबादी में उनके हिस्से के आधे से भी कम था। इसी में यह भी जोड़ लें कि जब संसद और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने का विधेयक पास किया जा रहा था तो सरकार कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों की इस मांग को मानने के लिए राजी नहीं हुई थी कि महिलाओं के लिए प्रस्तावित 33: कोटे के भीतर ही ओबीसी महिलाओं के लिए भी सीटें आरक्षित की जाएं। इसका यह मतलब है कि विपक्षी पार्टियों को नैरेटिव का एक पूरा पैकेज हाथ लग गया है और वे उसकी मदद से भाजपा सरकार पर यह आरोप लगा सकती हैं कि वह ओबीसी की हिमायती नहीं है। इस पैकेज में ओबीसी को लम्बे समय तक न्याय से वंचित करना, उन्हें अधूरे मन से सामाजिक न्याय देना और महिलाओं के आरक्षण में उन्हें कोटा नहीं देने का त्रिस्तरीय नैरेटिव है। जदयू और राजद के नेतृत्व में विपक्षी दल इसे भुनाने की भरपूर कोशिश करेंगे। राजनीति में संदेश देने का बहुत महत्व होता है। हाल के समय में हमने देखा है कि भाजपा का प्रचार–तंत्र बहुत ही निष्णात तरीके से लोगों तक अपना संदेश पहुंचाने में सफल रहता है। अगर विपक्षी दल देश तक यह संदेश पहुंचा सके कि ओबीसी के साथ ऐतिहासिक रूप से हो रहा अन्याय अब भी जारी है और भाजपा राष्ट्रव्यापी जातिगत जनगणना कराने से संकोच कर रही है तो इससे वोटरों के एक समूह को प्रभावित किया जा सकता है। ओबीसी को अरसे तक न्याय से वंचित करना, उन्हें अधूरे मन से सामाजिक न्याय देना और महिलाओं के आरक्षण में उन्हें कोटा नहीं देने का त्रिस्तरीय नैरेटिव अब विपक्षी दलों के हाथ लग गया है, जिसे वे जमकर भुनाने की कोशिश करेंगे। यहां यह भी याद रखा जाना चाहिए कि भाजपा भी यह संदेश देने का भरसक प्रयास कर रही है कि क्षेत्रीय पार्टियों की तुलना में उसे ओबीसी की ज्यादा परवाह है। यही कारण था कि भाजपा ने तुरंत ही विपक्ष को यह याद दिलाने से संकोच नहीं किया कि आज संसद में उसके कितने ओबीसी सदस्य हैं और राज्यों में कितने ओबीसी विधायक हैं। वह यह संदेश देने की कोशिश कर रही थी कि उसने ओबीसी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिया है और सरकार बिलकुल भी उनकी अनदेखी नहीं कर रही है। ओबीसी आबादी के अनुपात में उन्हें प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग के प्रत्युत्तर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक रैली में यह काउंटर–नैरेटिव रचा था कि सबसे अधि ाक संख्या तो गरीबों की है, इसलिए अगर किसी को सर्वाधिक प्रतिनिधि ात्व दिया जाना चाहिए तो वो गरीब लोग हैं। यहां पर यह याद रखा जाना चाहिए कि जब भी कोई पार्टी किसी एक जाति, समुदाय या समूह को प्राथमिकता देती है तो इसकी प्रतिक्रिया में दूसरी जातियों, समुदायों, समूहों का काउंटर–मोबिलाइजेशन भी होता है। लोग भी अब पूछ रहे हैं कि क्या यह मंडल 2.0 है? कह सकते हैं कि यह बहुत कुछ वैसा है, पर पूरी तरह से नहीं। बिहार में भले ही ओबीसी की संख्या अनुमान से अधिक पाई गई हो, लेकिन इससे ओबीसी उस तरह से एकजुट नहीं होंगे, जैसे पहली बार मंडल आयोग की सिफारिशें लागू करने पर हुए थे। वैसे भी ओबीसी समूहों के भीतर भी अब विभाजक–रेखाएं उभर आई हैं और ऊपरी और निचले ओबीसी के भेद निर्मित हो चुके हैं। भाजपा पहले ही इसका फायदा उठा चुकी है। क्या आपस में विभक्त ओबीसी भी राजनीतिक समीकरणों को बदलने की क्षमता रखेंगे?

बुनियादी चीजों पर फोकस नहीं करने से हादसे होते हैं

अगर आपके पास क्रांकीट की छत वाला घर है, मेन गेट पर ताला लगा सकते हैं, अगर आपके पास वाहन है जिसमें ईंधन भरवाते हैं, अगर आपके पास नल है जिससे रोज पानी आता है, और अगर आपके तमाम गैजेट्स ठीक काम कर रहे हैं तो आप दुनिया के उन तकरीबन 25–35: भाग्यशाली लोगों में से हैं, जिन्हें तमाम बुनियादी व कारगर सुविधाएं प्राप्त हैं। मैं जब भी विद्यार्थियों को सम्बोधित करता हूं, तो उनसे यह बातें जरूर कहता हूं ताकि अपनी कड़ी मेहनत से ये तमाम सुविधाएं मुहैया कराने वाले पैरेंट्स का सम्मान करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित कर सकूं। लेकिन इस साल 1 से 4 अक्टूबर को मैंने इसमें एक और पंक्ति जोड़ने का निर्णय लिया– 'अगर आप अपनी बड़ी बहन को डिलीवरी के लिए किसी अस्पताल ले जाते हैं और आप बहन और उसके नवजात शिशु के साथ घर लौट आते हैं, तो भी आप सौभाग्यशाली हैं। साथ ही, अगर आप ट्रीटमेंट के दौरान अस्पताल में स्वच्छ टॉयलेट का प्रयोग कर पाए, तब तो आप अत्यंत सौभाग्यशाली हैं। क्योंकि तब आप देश के लगभग 15: खुशनसीब लोगों में से एक होंगे!' जब मैंने यह खबर पढ़ी कि नांदेड़ के सिविल अस्पताल में बीते चार दिनों में 37 लोगों की मृत्यु हो गई, जिनमें 18 नवजात शिशु थे और छत्रपति सम्भाजीनगर शासकीय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 24 घंटों में 18 की मौत हो गई तो मुझे जो तकलीफ हुई, उसे बयान नहीं किया जा सकता। महाराष्ट्र में हर दिन एक साल से कम उम्र के 40 बच्चों की मौत होती है। इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। उसी के चलते मैंने अपनी स्पीच में उपरोक्त वाक्य जोड़ा। एक अखबार के पहले पन्ने पर छपा चित्र, जिसमें सुशीला हनुमता नामक एक महिला मात्र दो घंटे पहले जन्मे अपने पोते की अस्पताल में मच्छरों से रक्षा कर रही थी, कम से कम महाराष्ट्र के चरमराते स्वास्थ्य–तंत्र के बारे में तो बहुत कुछ बयान कर जाता है। आप ही बताइए, जब नाती–पोतों का जन्म होता है तो नाते–रिश्तेदार उत्सव मनाते और मिठाइयां बांटते हैं या बच्चे को मच्छरों से बचाने की कोशिशों में जुट जाते हैं? हम किस दुनिया में जी रहे हैं? बढ़ते चिकित्सा खर्च के कारण बड़ी तादाद में गरीब सरकारी अस्पतालों में जाते हैं, जिससे वे खचाखच भर जाते हैं। सरकार जीडीपी का मात्र 1 से 1.25: ही स्वास्थ्य–सम्बंधी बुनियादी ढांचे पर खर्च करती है। इतना ही नहीं, कम से कम 15: पद खाली पड़े हैं। दवाई से लेकर साफ–सफाई तक कोई सुचारु प्रणाली नहीं अपनाई जाती है। नांदेड़ अस्पताल का ही उदाहरण लें, जिसमें सफाई विभाग के 250 स्टाफ कर्मचारी कथित रूप से बड़े अधिकारियों के घरों की नौकरियों में लगा दिए गए थे। लेकिन हालात अकेले टॉयलेट्स के चलते बेकाबू नहीं हुए थे। अस्वच्छ माहौल, दूषित पानी, गंदे सुविधाघर, दवाई काउंटरों पर भ्रष्टाचार, पोस्ट–ऑपरेटिव देखभाल के लिए नर्सों का अभाव, मेडिकल आपात–स्थिति के लिए डॉक्टरों की किल्लत आदि के चलते उन निर्दोष गरीबों की मौत हुई, जो अस्पताल को मंदिर से बढ़कर और डॉक्टरों को भगवान के समान मानते हैं। इस हादसे से यही सीखते हैं कि अगर हम ऐसी जगहों का लीडर बनते हैं तो फोकस उन बुनियादी सुविधाओं पर होना चाहिए, जिनके लिए वह संस्था बनी है। अस्पताल जैसी जगह पर बुनियादी सुविधाएं हैं चिकित्सा व साफ–सफाई (पढ़े, टॉयलेट्स), क्योंकि इसके अभाव में मरीज ठीक होने के बजाय उलटे और बीमार हो सकता है। आप एक दिन के बच्चे से इस स्थिति का सामना करने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? फंडा यह है कि हर संस्थान के अपने ग्राहकों और कर्मचारियों के प्रति अलग–अलग बुनियादी कर्तव्य होते हैं।

चुनौतियां और संभावनाएं, एक दृष्टि !

डॉ. तुलसी भारद्वाज

आखिरकार राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद नारीशक्ति अधिनियम के कानून बनने के साथ ही देश की आधी आबादी की एक लंबे अरसे से चली आ रही राजनैतिक अधिकारों की लड़ाई का सुखद समापन हो ही गया। इसके साथ ही देश के संसदीय इतिहास में 1996 से चले आ रहे और कुल मिलाकर 27 साल, 5 प्रध ाानमंत्री और अनेको बार पेश होने के बाद इस ऐतिहासिक निर्णय को मंजूरी मिल गई जिसमें महिलाओं के लिए लोकसभा व् राज्य विधानसभाओं में ैब्ैज वर्ग के साथ एक–तिहाई सीटें, निर्वाचन क्षेत्रों के पुनःनिर्धारण के बाद से आरक्षित होनी शुरू हो जाएंगी। हालांकि संसद की अग्नि–परीक्षा में ऐतिहासिक बहुमत से पारित इस विध ोयक पर लगभग सभी विपक्षी दलों ने किसी न किसी तरह से अपने–अपने दावे ठोके। दूसरी तरफ इस पर अभी न लागू करने, टालने, पिछड़ा, अल्पसंख्यक विरोधी आदि–आदि जैसे प्रश्न चिह्न लगाने पर भी नहीं चूके। तभी से पब्लिक डोमेन में इन्हे मुद्दा बना, सरकार की मंशा पर संशय की स्थिति उत्पन्न कर जनता को भ्रमित करने के दुर्भाग्य पूर्ण प्रयास देखे जा रहे हैं। इनकी प्रमाणिकता को परखने के लिए संवैध ाानिक पहलुओं पर नजर डालना अति आवश्यक हो जाता है। हमारे संविधान में आर्टिकल 81, 170, 330 और 332, जिनमें सीटों का आरक्षण वर्णित है, जिसमें स्पष्ट है कि बढ़ती जनसंख्या के आधार पर वक्त–वक्त पर चुनावी प्रक्रिया को पूर्णरूप से लोकतांत्रिक बनाए जाने के लिए निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएं को दोबारा निर्धारित करने के लिए परिसीमन कराया जाना अति आवश्यक होगा जोकि वास्तविक जनगणना के आध ाार पर ही संभव है। कानूनी रूप से जनगणना और परिसीमन के बाद ही व्यवहारिक रूप से निर्वाचन क्षेत्रों को आकार दिया जाता है, परन्तु दुर्भाग्यवश 1976 में आपातकाल के दौरान संविधान में 42वें संशोधन के तहत 1971 की जनगणना के ही आध ाार मानकर 2001 तक विधायिकाओं की सीटों की संख्या को स्थिर कर दिया गया था फिर 2001 में हुए 84वें संशोधन में इनमें वर्ष 2026 तक कोई परिवर्तन न करने का प्रावधान भी कर दिया गया था। यानी कानूनी रूप से देश की वर्तमान विधायिकाओं के स्वरूप को आकार देने की व्यवस्था को 2026 से पहले आरम्भ नहीं किया जा सकता, परन्तु दुखद की दिन–रात संविधान को खतरे में बताने वालो को कानूनी तथ्यों से कोई लेना–देना नहीं है, नहीं तो उन्हें पता होता कि इस बिल को 2024 से लागू करने के प्रावधान के साथ कराया जाता तो पूर्ववत ही निरर्थक साबित होता क्योंकि उसे कोई भी न्यायालय में चुनौती दे सकता था और निश्चित रूप से पूरी प्रक्रिया निष्फल हो जाती। यही नहीं सीटों के आरक्षण की स्थति को लेकर राजनैतिक राग–द्वेष के आरोप–प्रत्यारोप की संभावनाए भी निश्चित थीं, परन्तु मात्र विरोध की राजनीति से संसद में कानून नहीं बनते उसके लिए न्यायिक प्रक्रिया के तहत अभ्यास भी करना पड़ता है, तो लोकसभा और विधानसभा में नई जनगणना और परिसीमन के बिना सीटों में हेर–फेर को असंवैधानिक माना जाता है। दूसरी तरफ राज्यसभा और विधान परिषद् में इस आरक्षण को लागू न करने का करण सीधेतौर पर चुनाव का न होना यानी अप्रत्यक्ष चुनाव का होना है। गौरतलब है की उच्च सदन में वोटिंग प्रक्रिया एकल संक्रमणीय मत के अनुसार होती है यानी बैलट पेपर पर उम्मीदवार की वरीयता का क्रम अंकित किया जाता है तो इस प्रकार की प्रक्रिया में आरक्षण प्रक्रिया को लागू करना व्यावहारिक नहीं होता पाता। संभवतः इसका मूल कारण कि संविधान निर्माता उच्च सदन को आरक्षण से दूर रखना चाहते थे। दुर्भाग्य से आज विपक्षी गठबंधन में बीस से भी अधिक दल धर्म–जातिगत् वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित माने जाते हैं। ऐसे में समाज की धार्मिक और जातिगत् समीकरणों की रेखाएं कहीं धूमिल न पड़ जाएं उसके लिए इसमें अल्पसंख्यक व् पिछड़ी जाति के आरक्षण का प्रावधान ना होने के एजेंडा को भी खूब जोर–शोर से चलाया जा रहा है, परन्तु तकनीकी रूप से देखा जाए तो इसमें पिछड़ी जाति व् अल्पसंख्यक को शामिल ना करने का मूल कारण, एक तरफ तो संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का वर्जित होना है। दूसरी तरफ वर्तमान कानून में विधायिका में व्यवहारिक रूप से पिछड़ों के लिए आरक्षण का न होना है,क्योंकि कानूनी रूप से अभी तक भारत की संवैध ाानिक व्यवस्था में व्यवहारिक, व्ठब के लिए आरक्षण की कोई व्यवस्था वास्तव में लागू है ही नहीं। हालांकि संविधान के अनुच्छेद–330 के अनुसार लोकसभा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को जनसंख्या के अनुपात के आधार पर प्रतिनिधित्व दिया जाता है इसलिए मात्र ैब्ैज कोटे को ही इसमें वर्तमान विधिरचना के अनुरूप स्थान दिया गया है। यहां तक कि पूर्व में पूर्व में जब कांग्रेस ने राज्यसभा में यह बिल पारित कराया था तो न ही उसमे पिछड़ों की बात थी और ना ही SC/ST की और यह मात्र 10 वर्ष के लिए ही लागू होना था। हालांकि पूर्व बंगाली सांसद गीता मुखर्जी जिन्होंने 1996 में संसद के पटल पर इसे एक निजी सदस्य विधेयक के रूप में पेश किया था, उनकी समिति की अधिकतर संस्तुतियों का सम्मान करते हुए वर्तमान में इसकी अवधि को पंद्रह वर्ष तक लिए रखा गया है। देखा जाए तो जातिगत् प्रतिनिधित्व वास्तिविक जातिगत संख्या के बिना अधूरा है और देश में वर्तमान परिसीमन 1931 की जातिगत जनगणना के आधार पर है जिसके बाद जातिगत समीकरण काफी बदल चुकी है। वर्तमान में केंद्र, राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों की ओबीसी लिस्ट में लगभग तीन हजार उप–जातियां शामिल हैं और सरकार इन्हें आरक्षण का बराबर लाभ आवंटित करने की कार्यवाही में भी सतर्कता से लगी है जिसके सन्दर्भ में रोहिणी कमीशन के तहत एक रिपोर्ट भी राष्ट्रपति मुर्मू को सौपी गई है। स्मरण रहे की पूर्व में इस रोहिणी आयोग के तहत ही गठित मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर देश की पिछड़ी आबादी को केंद्र सरकार की नौकरियों और उच्च शिक्षा में 27.5 फीसदी, एससी के लिए 15 फीसदी और एसटी के लिए 7.5 फीसदी आरक्षण देने का भी प्रावधान किया गया था, तो मात्र विरोध के लिए सरकार को पिछड़ा विरोधी तबका देकर वर्तमान सत्ता में पिछड़े समाज के प्रतिनिधत्व करने वाले 85 सांसदों जिसमें से 29 केबिनेट मंत्रियो को विरोधियो द्वारा एक तरह से प्रॉक्सी घोषित करना क्या उनकी क्षमताओं पर प्रश्न चिह्न लगाना जैसा नहीं है? हालांकि प्रायोजित नैरेटिव के बीच इसके दूरगामी परिणामों के असल मुद्दों नहीं आ पाए जैसे इससे भविष्य में राज्यसभा और विधान परिषद् में महिलाओं की संख्या और भी कम हो सकती है जो वर्तमान में लोकसभा से पहले ही बहुत कम है। गोया कि जिन पुरुष प्रतिनिधियों को विधायिकाओ में टिकट नहीं दिया जाएगा उन्हें उच्च सदन में भेजने की कोशिश को पूरी सम्भावनाएं रहेंगी। एक चिंता यह भी है कि कहीं विधायिकाओं में सीध ो–सीधे महिला सीट आरक्षण करने से महिला कैंडिडेट सिर्फ महिला सीट तक ही सीमित होकर न रह जाए जैसे कि 1990 के प्रारंभिक वर्षों में फिलिपींस, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशो में हुआ और ऐसे में सामान्य सीटों पर सक्षम होने पर भी महिला कैंडिडेट को नहीं उतरा गया। हालांकि वर्तमान बिल में सीटों के रोटेशन का भी जिक्र किया गया है।

इनकी प्रमाणिकता को परखने के लिए संवैधानिक पहलुओं पर नजर डालना अति आवश्यक हो जाता है। हमारे संविधान में आर्टिकल 81, 170, 330 और 332, जिनमें सीटों का आरक्षण वर्णित है, जिसमें स्पष्ट है कि बढ़ती जनसंख्या के आधार पर वक्त–वक्त पर चुनावी प्रक्रिया को पूर्णरूप से लोकतांत्रिक बनाए जाने के लिए निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं को दोबारा निर्धारित करने के लिए परिसीमन कराया जाना अति आवश्यक होगा जोकि वास्तविक जनगणना के आधार पर ही संभव है। कानूनी रूप से जनगणना और परिसीमन के बाद ही व्यवहारिक रूप से निर्वाचन क्षेत्रों को आकार दिया जाता है, परन्तु दुर्भाग्यवश 1976 में आपातकाल के दौरान संविधान में 42वें संशोधन के तहत 1971 की जनगणना के ही आध ाार मानकर 2001 तक विधायिकाओं की सीटों की संख्या को स्थिर कर दिया गया था फिर 2001 में हुए 84वें संशोधन में इनमें वर्ष 2026 तक कोई परिवर्तन न करने का प्रावधान भी कर दिया गया था।

क्रिकेट के बहाने भारत और पाकिस्तान पर रहेगी नजर

'वॉर माइनस द शूटिंग'– यह अमेरिकी पत्रकार माइक मार्क्वीसी द्वारा 1996 के क्रिकेट विश्वकप पर लिखी गई उम्दा किताब का शीर्षक है। 27 साल बाद भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट पहले से भी ज्यादा युद्ध जैसा हो गया है। कम से कम 1996 में भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका (जिसने उस साल सबको चौंकाते हुए टूर्नामेंट जीत लिया था) विश्वकप के सह–आयोजक तो थे। आज तो ऐसी स्थिति की कल्पना तक नहीं की जा सकती। इसके बजाय भारत–पाकिस्तान क्रिकेट मैच से पहले सीमारेखा के दोनों ही तरफ भुजाओं की जोर–आजमाइश वाली भावना उत्पन्न की जा रही है, जो दिन–ब–दिन गहराती चली जाएगी। उस मैच का अहमदाबाद में होना भी हमारे समय के बारे में बहुत कुछ बताता है। यह ऐसा शहर है, जिसकी राजनीति पर बीते तीन दशकों से संघ–परिवार का वर्चस्व रहा है, जहां 2002 में हुए साम्प्रदायिक दंगों ने हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच अलगाव को गहरा दिया था और जहां धार्मिक आधार पर एक ही शहर में विभाजक–रेखाएं खिंची हुई हैं। अनेक हिंदू–राष्ट्रवादियों के लिए तो पाकिस्तान ऐसा दुश्मन–देश है, जिसे हर कीमत पर हराना जरूरी है। ऐसे में, आश्चर्यजनक नहीं कि भाजपा के पूर्ण बहुमत से सत्ता में आने के बाद से भारत ने पाकिस्तान से खेल–सम्बंधों को कम से कम रखने का सचेत–निर्णय लिया है। उसका मंतव्य स्पष्ट है रू सीमापार आतंकवाद और क्रिकेट, दोनों एक साथ नहीं चल सकते। दिलचस्प यह है कि 2004 में भाजपा के ही प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय टीम की पाकिस्तान यात्रा का पथ–प्रशस्त किया था और वह दौरा अत्यंत सफल रहा था। वाजपेयी छह साल सत्ता में रहे। इस दौरान कारगिल की लड़ाई हुई, संसद पर हमला हुआ और कश्मीर में आतंकी वारदातें जारी रहीं। इसके बावजूद वाजपेयी ने इस उम्मीद से भारतीय टीम को पाकिस्तान भेजने का जोखिम उठाया कि शायद खेल के बहाने दोनों देशों के कटुतापूर्ण रिश्तों में नरमी आए।

स्वामीनाथन ने रखी आधुनिक और प्रगतिशील कृषि की नींव

नरेंद्र मोदी

प्रोफेसर एमएस स्वामीनाथन अब हमारे बीच नहीं हैं। देश ने एक ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति को खोया है, जिन्होंने भारत के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। उनका योगदान स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। स्वामीनाथन चाहते थे कि हमारा देश और किसान समृद्धि के साथ जीवनयापन करें। वे अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली थे और किसी भी कॅरिअर का विकल्प चुन सकते थे, लेकिन 1943 के बंगाल के अकाल से इतने द्रवित हुए कि कृषि क्षेत्र का कायाकल्प करने की ठान ली। बहुत छोटी उम्र में, वे डॉ. नॉर्मन बोरलॉग के संपर्क में आए और उनके काम को गहराई से समझा। 1950 के दशक में, अमेरिका में एक फैकल्टी के तौर पर जुड़ने का आग्रह उन्होंने अस्वीकार कर दिया था। आजादी के बाद के दो दशक में हम कई चुनौतियों का सामना कर रहे थे और उनमें से एक थी– अन्न की कमी। 1960 के दशक की शुरुआत में, भारत अकाल से जूझ रहा था। इसी दौरान, प्रोफेसर स्वामीनाथन की दृढ़ प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता ने कृषि क्षेत्र के एक नए युग की शुरुआत की। कृषि और गेहूं प्रजनन जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में उनके अग्रणी कार्यों से गेहूं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ऐसे प्रयासों का ही परिणाम था कि भारत अनाज में आत्मनिर्भर राष्ट्र बन गया। इस शानदार उपलब्धि की वजह से उन्हें 'भारतीय हरित क्रांति के जनक' की उपाधि मिली। हरित क्रांति में भारत की ष्कुछ भी असंभव नहीं हैष की भावना झलकती है।

अगर हमारे सामने करोड़ों चुनौतियां हैं, तो उन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए नवोन्मेष की लौ जलाने वाले करोड़ों प्रतिभाशाली लोग भी हैं। हरित क्रांति शुरू होने के पांच दशक बाद, भारतीय कृषि पहले से अधि ाक आधुनिक और प्रगतिशील हो गई है। लेकिन, प्रोफेसर स्वामीनाथन द्वारा रखी गई नींव को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रोफेसर स्वामीनाथन ने आलू की फसलों को प्रभावित करने वाले कीटों से निपटने की दिशा में भी प्रभावी अनुसंधान किया था। उनके शोध ने आलू की फसलों को ठंड के मौसम का सामना करने में भी सक्षम बनाया। आज, दुनिया सुपर फूड के रूप में मिलेट्स या श्रीअन्न के बारे में बात कर रही है, लेकिन प्रोफेसर स्वामीनाथन ने 1990 के दशक से ही मिलेट्स को प्रोत्साहित किया था। 2001 में मैंने गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला। तब सूखे, चक्रवात और भूकंप ने राज्य की विकास यात्रा को बुरी तरह प्रभावित किया था। उसी दौर में हमने सॉइल हेल्थ कार्ड की पहल की थी, ताकि किसानों को मिट्टी को बेहतर ढंग से समझने और समस्या के अनुसार समाधान करने में मदद मिले। इसी सिलसिले में मेरी मुलाकात प्रोफेसर स्वामीनाथन से हुई। उन्होंने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। इस योजना ने गुजरात में कृषि क्षेत्र की सफलता का सूत्रपात कर दिया। मेरे मुख्यमंत्री रहने के दौरान और उसके बाद जब मैंने प्रधानमंत्री का पद संभाला, तब भी हमारी बातचीत चलती रही। मैं उनसे 2016 में इंटरनेशनल एग्रो–बायोडाइवर्सिटी कांग्रेस में मिला और 2017 में, मैंने उनकी लिखी पुस्तक श्रृंखला लॉन्च की। 'कुरल' ग्रंथ के मुताबिक किसान वो धुरी हैं, जिसके चारों तरफ पूरी दुनिया घूमती है।

कार्यालय ग्राम पंचायत इंदरिया, विकास खण्ड सिकरारा, जिला जौनपुर

पत्रांक– मेमो/निविदा 2023–24/ दिनांक 08.10.2023

S.L.W.M. कार्य हेतु अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्श 2023–24 में ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छ भारतमिशन के अभियान फेज–2 के तहत ग्राम पंचायत में निकलने वाले ठोस एवं तरल अपशिश्ट प्रबंधन[S.L.W.M.]हेतु नालीनिर्माण, सोख्तागड्ढा निर्माण, घूर–गड्ढा निर्माण, आर0सी0सी0 निर्माण, डस्टबिन क्रय, स्वच्छता में प्रयोग आने वाले उपकरण एवं सफाईकर्मी द्वारा स्वच्छता कार्य हेतु धारण की जाने वाली पोशाक(किट) क्रय, कचरा ढोने हेतु ई–रिक्शा, मालवाहन क्रय, संक्रमणरोगों से बचाव हेतुछिड़काव की दवा क्रय आदि स्वच्छता सम्बन्धित गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाली विविध सामग्रियों के क्रय हेतु S.L.W.M. में आवंटित धनराशि, राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त के इस प्रयोजनमें खर्च की जानेवाली धनराशि हेतु ग्राम पंचायत विकास खण्ड जनपद स्तर के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता से उपरोक्त सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सील बन्दनिविदा दिनांक 09.10.2023 से दिनांक 16.10.2023 तक कार्यालय ग्रामपंचायत में जमा की जा सकती है, जो दिनांक 17.10.2023 को ग्राम प्रबंधन समिति के सदस्यों के समक्ष 10.00 बजे प्रातः खोली जाएगी ,निम्नदर की निविदा स्वीकार की जाएगी। आपूर्तिकर्ताओं का व्यापार पंजीकरण, टिन नम्बर एवं जी0एस0टी0 नम्बर होना अनिवार्य है।

क्र0सं0	परियोजना का नाम/सामग्री	मात्रा	दर
1	ईंट150एम.एम.प्रथम श्रेणी/ एस.ओ.बी. ईंट	प्रतिहजार	
2	सीमेण्ट	प्रतिबैग	
3	मोरंगबालू,महीनबालू, गंगाबालू	प्रति घनमीटर	
4	स्टोनब्लास्ट, डालागिट्टी, पत्थरगिट्टी20 एम.एम.से 53एम.एम. तक, ईंटगिट्टी 20 एम.एम. से 42 एम.एम.तक	प्रति घनमीटर	
5	सरियाविभिन्नसाईज	प्रतिकुन्तल	
6	करकट/ एसबेस्टससीट, पैनलआयरन, सबमर्सेबुल, बोरिंगप्लेटफार्मसहित	प्रतिनग	
7	पैवर्स/ ब्लाकईंट/ इंटरलॉकिंगईंट/जागजेडाइंटरलॉकिंगईंट	प्रतिहजार	
8	ई–रिक्शामालवाहक	प्रतिनग	
9	डस्टबिनविभिन्नसाइजमें	प्रतिनग	
10	ह्यूमपाईप 150 एम.एम., 300 एम.एम., 350एम.एम., 600 एम.एम., 800एम.एम.,NP3	प्रतिमीटर	
11	ढक्कनदारनाली, निर्माणमेंप्रयुक्तहोनेवालीसामग्रीआवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घनमीटर	
13	सफाईकर्मीस्वच्छताकीट/ सेनेटाइजर, डस्टबिनसहितअन्य संबन्धितसामग्री	प्रतिनग	

नियम एवं शर्तेः–

- सामग्री की मात्रा कार्यस्वीकृति होने के बाद निर्धारित की जाएगी।
- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश से की जाएगी,अन्यथ नही।
- सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है।
- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृति दर निर्धारित कार्य पर करनी होगी।
- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50रू0 के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जाएगा।
- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माणसमिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जाएगा।
- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो ,प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न की जाय।
- प्रस्तुतदर पी0डब्लू0डी0 की स्वीकृतिदर से अधिक न हो।
- सामग्री आपूर्ति ग्रामपंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय में की जानी अनिवार्य होगी।
- सामग्री की गुणवत्तामानक के अनुरूप न पायेजाने की दशा में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जाएगी।
- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
- आपूर्ति को चार प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात् भुगतान किया जाएगा।

ग्राम प्रधान
अरूण कुमार

ग्राम सचिव
प्रदीप शंकर श्रीवास्तव

पुलिस इनकाउंटर में अंतर्जनपदीय बदमाश को लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । शाहगंज कोतवाली थाना अंतर्गत बद्दोपुर पुलिया के पास रविवार देर रात्रि बदमाशों और पुलिस में मुठभेड़ हो गई।इस दौरान बदमाशों की गोली से कोतवाली प्रभारी बाल बाल बच गए । पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश को पैर में गोली लगी जिसे सीएचसी पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया । एक अपराधी को पुलिस ने दौड़ा कर पकड़ लिया। तीसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया । तीनों अंतर्जनपदीय बदमाश है वह पूर्वांचल के जनपदों में लूट समेत अन्य अपराधों में लिप्त थे। उनके पास से एक मोटरसाइकिल, असलहा कारतूस, नकदी और आठ एटीएम कार्ड बरामद हुआ है।इस संबंध में सोमवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शुभम तोदी ने बताया कि कोतवाली पुलिस और सरपतहा पुलिस क्षेत्र के बद्दोपुर पुलिया मजडीहा मार्ग पर तलाशी अभियान चला रही थी । तभी एक मोटरसाइकिल पर तीन बदमाश आते दिखाई दिए । पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो फायरिंग करने लगे । उनकी गोली से प्रभारी कोतवाली एसएचओ जय प्रकाश यादव बाल बाल बच गए । पुलिस टीम की जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश को पैर गोली लग गई । वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा । उसके एक साथी अपराधी को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया । घायल की पहचान अजय भारती पुत्र राकेश निवासी ख्महौरा के रूप में हुई । उस पर लूट, शराब तस्करी, गैंगेस्टर समेत करीब दो दर्जन गम्भीर आपराधिक मामले दर्ज है । दूसरे अपराधी दिलीप कुमार पुत्र लालजी निवासी कोहड़ा बताया । उस पर भी लूट और हत्या के प्रयास का दो मुकदमे है । हालांकि पुलिस और बदमाशों के बीच कितनी राउण्ड में गोली चली पुलिस ने स्पष्ट नही किया । एक बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हुआ तीसरा बदमाश की पहचान संगम यादव पुत्र तालुक दार यादव निवासी अंगूरी पोखरा थाना खुटहन है । उस पर एक दर्जन से ज्यादा गम्भीर आपराधिक मामले पंजीकृत है। कोतवाली पुलिस विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है।

योग के माध्यम से भी बच्चों के अंदर की प्रतिभा को निखारा जा सकता है : गिरीश चंद यादव

योगासन स्पोर्ट एलाईन्स द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिता संपन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर – योगासन स्पोर्ट एलाईन्स द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन शहर के शास्वत वाटिका मे आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि एम एल सी बृजेश सिंह प्रिंसू द्वारा दीप प्रज्वलित करके और फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया,उसके पश्चात भारतीय संस्कृति के अनुसार गणेश वंदना कार्यक्रम शुभ मंगलम डांस ग्रुप द्वारा प्रस्तुत किया गया! कार्यक्रम में जिला स्तर के 8 वर्ष से 21 वर्ष तक के बच्चों ने प्रतिभाग किया,! कार्यक्रम की अध्यक्षता रजनी साहू के द्वारा किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद यादव द्वारा कार्यक्रम में शामिल बच्चों को पुरस्कृत किया गया! कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव ने कहा कि आज हमारे प्रधानमंत्री द्वारा योग को बढावा दिया जा रहा है जिसके अंतर्गत इस संस्था द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया, ।योग के माध्यम से भी बच्चों के अंदर की प्रतिभा को निखारा जा सकता है,! विशिष्ट अतिथि बृजेश सिंह ने कहा कि हम सबको ऐसे कार्यक्रम को बढ़ावा देना चाहिये और एक दिन ना करके प्रतिदिन स्कूल और विद्यालय मे करवाना चाहिए! अध्यक्ष रजनी साहू ने कहा कि योग से आज बहुत सारी बड़ी बड़ी बीमारियों से भी दूर रहा जा सकता है! महा सचिव डॉली गुप्ता और सचिव मधु गुप्ता ने कहा कि जब विश्व स्तर पर कोरोना जैसी महा मारी ने अपना जाल फैलाया था तो ऐसे समय में योगा और ध्यान से अपने को बचाने मे सफल रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के अंकित सिंह, इंद्रा जायसवाल, विशाल गुप्ता, रेफरी की भूमिका में आदित्य लांबा, दिव्य कुमार, योगाचार्य जी उपस्थित रहे! संचालन शुभम गुप्ता, और पीयूष मौर्या ने संयुक्त रूप से किया! कार्यक्रम में आभार सचिव मधु गुप्ता ने किया! कार्यक्रम मे, सहकार भारती के जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह रिंकू, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा बीजेपी प्रियंका श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव पत्रकार हिन्दू भगवा वाहिनी की प्रदेश अध्यक्ष डॉ अंजना सिंह, मीरा अग्रहरि, उर्वशी सिंह , देवेश गुप्ता, शालिनी सिंह संजीव सिंह, रिचा गुप्ता, रामजी साहू, अजय गुप्ता, राजासुचद्र केशोधन, संजीव साहू, राघवेन्द्र वैश्य, रत्नेश वैश्य के साथ शहर के सभी संस्था ध्संगठन के सारे विशिष्ट लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे!

मान्यवर काशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर गोष्ठी आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मान्यवर काशीराम के परिनिर्वाण दिवस के अवसर निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्ययता में श्रद्धांजलि अर्पित कर गोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्व प्रथम उनके चित्र पर उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया वहीं सपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दीपचंद राम ने गोष्ठी को संम्बोधित करते हुए कहा कि मान्यवर काशी राम को बहुजन नायक के नाम से जाना जाता है वे एक भारतीय राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे जिन्होंने बहुजनों के उत्थान और राजनीतिक एकजुटता के लिए काम किया।भारत में जाति व्यवस्था के निचले भाग में अछूत समूहों सहित दलित पिछड़े या निचली जाती के लोगों की आवाज बुलंद करने के लिए कांशीराम ने डीएस–4 की स्थापना किया और आगे बहुजन समाजवादी पार्टी की गठन किया और जब तक वे हमलोगों के बीच रहे तब तक वे हमेशा दलित पिछड़े कमजोर गरीब तबका का मदद करते रहें। लेकिन आज उनकी बनाईं गई बहुजन समाज पार्टी उनके विचारों से नहीं चल रही हैं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती अब बहुजन समाज को बेचने का काम कर रही हैं। आज मान्यवर काशीराम के सपनों को कोई साकार करने का काम कर रहा है तो सिर्फ और सिर्फ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कर रहे है। आज हम सभी मान्यवर काशीराम के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर संकल्प लेकर जाये कि आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी विचारधारा की सरकार बनाकर उनके सपनों को साकार करायेंगे और अपने हक अधिकार को लेकर रहेंगे। गोष्ठी में मुख्य रूप से पूर्व विधायक लालबहादुर यादव,श्याम बहादुर पाल ,राहुल त्रिपाठी, हिरालाल विश्कर्मा, श्रवण जयसवाल, इर्शाद मंसूरी, राम इकबाल यादव, रामू मौर्या, सूर्य भान यादव, घनश्याम यादव, अमित यादव, अखिलेश यादव,हवलदार चौधरी, हरिशचंद्र प्रभाकर,कमालुद्दीन अंसारी आदि लोग मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद शौर्य के कार्य अत्यन्त सराहनीय- डीके सिंह पूर्व मंडलायुक्त

भारत विकास परिषद शौर्य के तत्वावधान में समूह गान प्रतियोगिता आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य शाखा के संस्थापक अध्यक्ष डा. संदीप पांडेय के नेतृत्व में तथा रतन शर्मा भाविका बेकर्स के सहयोग से एक भव्य समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन तिलकधारी महाविद्यालय के बलरामपुर हाल में किया गया। इस प्रतियोगिता में डीबीएस इंटर कॉलेज, ऋषिकुल अकैडमी, एसबीएस पब्लिक स्कूल, एलाफ्ट डेल सेनियर स्कूल, महावीर कॉन्वेन्ट स्कूल, सरस्वती बाल मन्दिर, बीआरपी इंटर कॉलेज, सर्वोदय पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आयुक्त चित्रकूट और पूर्व जिलाधिकारी जौनपुर दिनेश कुमार सिंह रहे। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ठ अतिथि पुलिस उपाधीक्षक सदर श्री एसपी उपाध्याय द्वारा भारत माता और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। इसके पश्चात महिला संयोजिका ज्योति श्रीवास्तव द्वारा वन्दे मातरम गीत गाया गया। अध्यक्ष डा. संदीप पांडेय ने अपने उद्बोधन में समूह गान के विषय में बताया तथा शौर्य शाखा द्वारा किये गये ऐतिहासिक कार्यक्रमों के विषय मे चर्चा की। मुख्य अतिथि दिनेश सिंह ने कहा कि शौर्य शाखा के गठन में 70 सदस्यों का एक साथ शपथ ग्रहण एक ऐतिहासिक काम है। उपस्थित लोगों से भी निवेदन किया कि समाज के प्रति जागरूक रहें और कहा कि गरीबों की मदद करके प्राप्त आत्मसंतोष से बड़ा कोई धन नहीं है। प्रांतीय प्रकल्प प्रमुख राजेश सोनी, जिला समन्वयक नीरज श्रीवास्तव तथा प्रकल्प प्रमुख सुजीत यादव ने डा. संदीप को बधाई देते हुए उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। निर्णायक मण्डल के रूप में उपस्थित पं. सूर्य प्रकाश मिश्र, डा. सोनाली विश्नोई तथा डा. प्रीती उपाध्याय ने प्रतिस्पर्धा के पश्चात निर्णय घोषित किया। जिसमें बीआरपी इंटर कॉलेज को प्रथम, महावीर कॉन्वेंट को द्वितीय, डीबीएस इंटर कॉलेज को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश कुमार सिंह तथा अध्यक्ष द्वारा सभी विजय छात्रों को शील्ड और प्रतिभाग करने वाले छात्रों को प्रशस्ति–पत्र दिया गया। कार्यक्रम में संगीत अध्यापक जुबेर खान, मंजू देवी, प्रीती, रवी पांडेय तथा पूर्व अध्यक्ष अवधेश गिरी, अतुल जायसवाल, पंकज सिंह, जनार्दन पांडे, जयशंकर सिंह, आनंद स्थाना, चंद्रशेखर निषाद, संदीप चौधरी, सावित्री सिंह, आनन्द सिंह, मीरा अग्रहरि, मीनू श्रीवास्तव, राजेश, प्रमोद माली, प्रशांत सिंह, सुनील सिंह, अम्बरेश पाठक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष अमित पाण्डेय तथा ज्योति श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम संयोजक रतन शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी करने वाले भाजपा नेता पर मुकदमा दर्ज

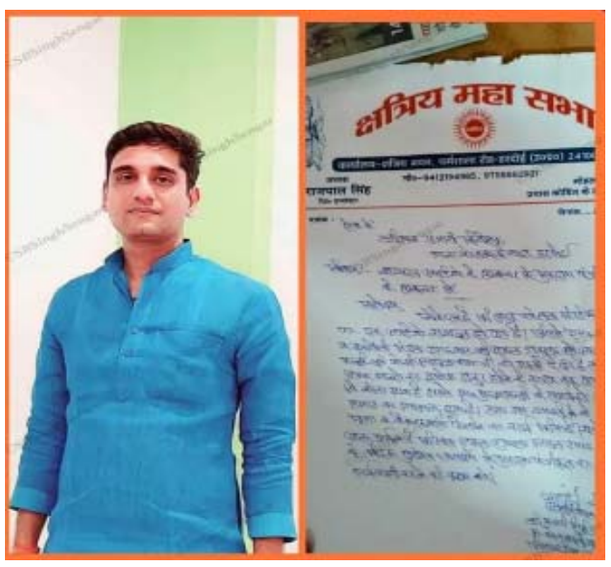

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी–हरदोई के अंतर्गत अतरौली मंडल(विधानसभा–संडीला) के उपाध्यक्ष, साधन सहकारी समिति लिमि०–गोढ़वा के अध्यक्ष व कथित एमएलसी प्रतिनिधि अमल शुक्ला के वॉयरल हुए एक ऑडियो में उनके द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अत्यंत अभद्र टिप्पणी करने व सामाजिक घृणा तथा वैमनस्यता फैलाने(हेट स्पीच) के चलते क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष राजपाल सिंह की शिकायत पर जनपद के कोतवाली शहर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं हरदोई के विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल ने अमल शुक्ला के अपने प्रतिनिधि होने से साफ इंकार किया है।

सोशल मीडिया पर वॉयरल हुए एक ऑडियो ने जिले व भाजपा में सनसनी फैला दी थी। वॉयरल ऑडियो में बताया गया कि अतरौली मंडल के उपाध्यक्ष व भाजपा नेता अमल शुक्ला किसी से बातचीत करते समय यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर अत्यंत अभद्र टिप्पणी करने के साथ–साथ सामाजिक वैमनस्यता फैला रहे हैं। भाजपा नेता का वॉयरल यह ऑडियो पूरे जनपद में आग की तरह फैल गया। वहीं इस प्रकरण में क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष व हरदोई के कौशलपुरी निवासी राजपाल सिंह की शिकायत पर हरदोई पुलिस ने कोतवाली शहर में अमल शुक्ला के विरुद्ध भा०दं०सं० 1860 की धारा 504 व 505(2) के अंतर्गत मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

वहीं दूसरी ओर इस मामले पर हरदोई के विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल ने सोमवार को वार्ता के दौरान बताया कि उक्त व्यक्ति से उनका कोई लेना–देना नहीं है और ना ही वो उनका प्रतिनिधि है। उन्होंने कहा कि संबंधित मामले में पार्टी और प्रशासन को निर्णय लेना है। जिसने भी जैसा कृत्य किया हो उसे उसी के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। इसी के साथ वॉयरल ऑडियो पर संज्ञान लेकर भाजपा हरदोई के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह शब्बनश के निर्देश पर अमल शुक्ला पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से पार्टी से निलंबित कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 80 की 80 सीटे लेकर तीसरी बार पूर्ण बहुमत से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे: डॉ दिनेश शर्मा पूर्व उप मुख्यमंत्री

कांग्रेस देश को बांटना चाह रही हैं। सनातन धर्म के खिलाफ जो इंटरनेशनल साजिश है: डॉ दिनेश शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । पूर्व उपमुख्यमंत्री बीजेपी राज्यसभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा जनपद में आयोजित मां शीतला धाम में चल रहे हनुमत कथा कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए जौनपुर पहुँचे। इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जमकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया के आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 80 की 80 सीटे लेकर तीसरी बार पूर्ण बहुमत से देश के प्रधानमंत्री बनेंगे साथ ही कहाकि उत्तर प्रदेश में कानून का राज है।प्रधानमंत्री द्वारा जिस तरीके से कार्य किये गए हैं उससे विपक्ष में एक घबराहट की स्थिति पैदा हो गई हैं। जिस तरीके से केंद्र कि नरेंद्र मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने किसानों, महिलाओं और नौजवानों को लाभान्वित किया है और 33: प्रतिशत का आरक्षण देने का काम किया है। विपक्ष अंग्रेजो के तरीके से जातिविहीन आधार पर, गरीब कल्याण योजना को आधार बनाकर जो योजनाए चलाई जा रही थी। उन्होंने कहाकि भाजपा सरकार में सबको एक समान एक आंख से देखा गया है सबको मुफ्त राशन , गैस सिलेंडर, मकान सबको मिला हैं। उन्होंने कहा हमारे देश के प्रधानमंत्री ओबीसी, देश के राष्ट्रपति आदिवाशी ये सब विपक्ष को बर्दाश्त नही हो रहा है।

विपक्ष तरह–तरह के षड्यंत्र रचकर केंद्र और प्रदेश की सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार करने से बाज नही आरहा हैं कांग्रेस पर जमकर हमला हुए कहाकि कांग्रेस अपने सहयोगियो को एक तरीके से सनातन धर्म के खिलाफ सक्रिय किया है। साथ ही कहाकि कांग्रेस का प्रमुख सहयोगी लेनिन का बेटा, इस्टालिन का बेटा उदय ने कांग्रेस की सह पर सनातन धर्म को कोरोना, डेंगू, और मलेरिया जैसे शब्दों से प्रयोग किया और कहाकि इसको समाप्त कर दूंगा। उन्होंने कहाकि कांग्रेस ने कहा श्रीराम जन्मभूमि है नही, राम का अस्तित्व काल्पनिक हैं, रामसेतु था नही जैसे बयान दिए थे। कांग्रेस देश को बांटना चाह रही हैं। सनातन धर्म के खिलाफ जो इंटरनेशनल साजिश है उसके खिलाफ कुछ प्रमुख लोग हैं। उन्होंने कहाकि मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री जी देश सांस्कृतिक विरासत को ऊपर तक ले जाने का काम किया है।

प्रधानमंत्री जी ने अपने देश की संस्कृति विरासत को ऊपर ले जाने में बहुत बड़ा महत्वपूर्ण योगदान दिया है यही धर्म है जो सबको एक करने की बात करता है और जीव जंतु में भी समानता का भाव हो ऐसी परिकल्पना करता है हमारे देश के प्रधानमंत्री ने अपने देश की सांस्कृतिक विरासत को ऊपर ले जाने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है एक तरफ काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तो दूसरी तरफ श्री राम जन्मभूमि का निर्माण एक तरफ मथुरा का निर्माण तो दूसरी तरफ विंध्यवासिनी दरबार का डेवलपमेंट इस समय भारत देश की पांच महा शक्तियों में शामिल है और आने वाले समय में तीसरी महाशक्ति के रूप में उभर कर सामने आ रहा है विपक्ष नहीं चाहता कि कहीं से भारत मजबूत हो कुछ अन्य विदेशी ताकते भी हैं जो भारत को बढ़ता नहीं देखना चाहती हैं भारतीय जनता पार्टी के लिए देश हित ही सर्वोपरि है सरकारी एजेंसियों पर कहीं से भी सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है जो जिस तरह का कार्य करेगा उसे सबके साथ एक जैसा समान व्यवहार किया जाएगा सबके लिए न्याय एक बराबर है।

अयोध्या जनपद में डेंगू का प्रकोप

अयोध्या। अब तक 171 डेंगू के मरीज चिन्हित, 160 मरीज का किया गया इलाज, 11 मरीजो का अभी भी चल रहा उपचार, सीएमओ डॉ संजय जैन का बयान, जनपद में डेंगू से किसी मरीज की मौत नहीं, डेंगू के इलाज के लिए जिला अस्पताल से लेकर सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर समुचित प्रबंध, जिला अस्पताल में मच्छर युक्त 10 बेड आरक्षित, दवाएं भी उपलब्ध, लोगों से अपील, डेंगू से घबराने की जरूरत नहीं, बुखार होते ही अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

घर के आसपास पानी इक्कठा ने होने दे,फुल आस्तीन के कपड़े पहने, मोजे भी पहने, कूलर और टंकी का पानी समय से बदलते रहे, साफ सफाई का ध्यान रखें।

कार्यालय ग्राम पंचायत कुल्हनामऊ, विकास खण्ड सिकरारा, जिला जौनपुर

पत्रांक– मेमो/निविदा 2023–24/ दिनांक 08.10.2023

S.L.W.M. कार्य हेतु अल्पकालिक निविदा

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छ भारतमिशन के अभियान फेज–2 के तहत ग्राम पंचायत में निकलने वाले ठोस एवं तरल अपशिश्ट प्रबंधन[S.L.W.M.] हेतु नालीनिर्माण, सोख्तागड्ढा निर्माण, घूर–गड्ढा निर्माण, आर0सी0सी0 निर्माण, डस्टबिन क्रय, स्वच्छता में प्रयोग आने वाले उपकरण एवं सफाईकर्मी द्वारा स्वच्छता कार्य हेतु धारण की जाने वाली पोशाक(किट) क्रय, कचरा ढोने हेतु ई–रिक्शा, मालवाहन क्रय, संक्रमणरोगों से बचाव हेतुछिड़काव की दवा क्रय आदि स्वच्छता सम्बन्धित गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाली विविध सामग्रियों के क्रय हेतु S.L.W.M. में आवंटित धनराशि, राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त के इस प्रयोजनमें खर्च की जानेवाली धनराशि हेतु ग्राम पंचायत विकास खण्ड जनपद स्तर के पंजीकृत आपूर्तिकर्ता से उपरोक्त सामग्रियों की आपूर्ति हेतु सील बन्दनिविदा दिनांक 09.10.2023 से दिनांक 16.10.2023 तक कार्यालय ग्रामपंचायत में जमा की जा सकती है, जो दिनांक 17.10.2023 को ग्राम प्रबंधन समिति के सदस्यों के समक्ष 03.00 बजे सायः खोली जाएगी ,निम्नदर की निविदा स्वीकार की जाएगी। आपूर्तिकर्ताओं का व्यापार पंजीकरण, टिन नम्बर एवं जी0एस0टी0 नम्बर होना अनिवार्य है।

क्र0सं0	परियोजना का नाम/सामग्री	मात्रा	दर
1	ईंट150एम.एम.प्रथम श्रेणी/ एस.ओ.बी. ईंट	प्रतिहजार	
2	सीमेण्ट	प्रतिबैग	
3	मोरंगबालू,महीनबालू, गंगाबालू	प्रति घनमीटर	
4	स्टोनब्लास्ट, डालागिट्टी, पत्थरगिट्टी20 एम.एम.से 53एम.एम. तक, ईटगिट्टी 20 एम.एम. से 42 एम.एम.तक	प्रति घनमीटर	
5	सरियाविभिन्नसाईज	प्रतिकुन्तल	
6	करकट/ एसबेस्टससीट, पैनलआयरन, सबमर्सेबुल, बोरिंगप्लेटफार्मसहित	प्रतिनग	
7	पैक्स/ ब्लाकईट/ इंटरलॉकिंगईट/जागजेडाइंटरलॉकिंगईट	प्रतिहजार	
8	ई–रिक्शामालवाहक	प्रतिनग	
9	डस्टविनविभिन्नसाइजमें	प्रतिनग	
10	हयूमपाईप 150 एम.एम., 300 एम.एम., 350एम.एम., 600 एम.एम., 800एम.एम.,NP3	प्रतिमीटर	
11	ढक्कनदारनाली, निर्माणमेंप्रयुक्तहोनेवालीसामग्रीआवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घनमीटर	
13	सफाईकर्मीस्वच्छताकीट/ सेनेटाइजर, डस्टबिनसहितअन्य संबन्धितसामग्री	प्रतिनग	

नियम एवं भार्तेः–

- सामग्री की मात्रा कार्यस्वीकृति होने के बाद निर्धारित की जाएगी।
- आवश्यकतानुसार सामग्री आपूर्ति प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के आदेश से की जाएगी,अन्यथ ानही।
- सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है।
- सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृति दर निर्धारित कार्य पर करनी होगी।
- सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50रू0 के स्टाम्प पेपर पर बाण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जाएगा।
- सामग्री आपूर्ति के बाद निर्माणसमिति की स्वीकृति के बाद भुगतान किया जाएगा।
- आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो ,प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न की जाय।
- प्रस्तुतदर पी0डब्लू0डी0 की स्वीकृतिदर से अधिक न हो।
- सामग्री आपूर्ति ग्रामपंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय में की जानी अनिवार्य होगी।
- सामग्री की गुणवत्तामानक के अनुरूप न पायेजाने की दशा में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जाएगी।
- निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।
- आपूर्ति को चार प्रतिशत वाणिज्य कर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात् भुगतान किया जाएगा।

ग्राम प्रधान
शिवधारी

ग्रम सचिव
प्रदीप शंकर श्रीवास्तव

अयोध्या में एक विदेशी सहित दो श्रद्धालुओं की मौत

एक मृतक मलेशिया का तो दूसरा छत्तीसगढ़ प्रांत का

अयोध्या।रामनगरी घूमने आए एक वृद्ध विदेशी सहित दो श्रद्धालुओं की अलग–अलग होटलों में मृत्यु हो गई। जिसमें विदेशी की मौत का कारण पुलिस प्रथम दृष्टया दिल का दौरा होना बता रही है वही दूसरे व्यक्ति की मृत्यु का कारण चिकित्सक दिल का दौरा बता रहे हैं। बताते चलें कि मृत 78 वर्षीय विदेशी श्रद्धालु का नाम दर्मा राजा आरपी सुनमुगम था,जो मलेशिया के निवासी बताएं जा रहे थे।रविवार की देर शाम बाईपास स्थित रामायणा होटल के कमरा नंबर 3105 में वे मृत पाए गए। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या कोतवाल अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि मलेशिया से छह लोगों का दल अयोध्या आया था। इस दल में चार महिलाएं और दो पुरुष थे।यह सभी बनारस से अयोध्या आये थे।सभी अलग–अलग कमरों में रुके हुए थे।होटल कर्मी ने रूम सर्विस के लिए दर्मा राजा के कमरे की घंटी बजाई तो दरवाजा नहीं खुला। आशंका होने पर होटल के अन्य कर्मियों और पुलिस को सूचना दी गई।एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह के नेतृत्व में अयोध्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने होटल पहुंच जांच पड़ताल शुरू की है। पुलिस ने प्रथम दृष्टया हृदयाघात से विदेशी नागरिक की मौत होने की आशंका व्यक्त किया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि मलेशिया के दूतावास को सूचित करने के बाद शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की गई।मजिस्ट्रेट की निगरानी में विदेशी नागरिक का पोस्टमार्टम किया जाएगा।रिपोर्ट आने के बाद मृत्यु का सही कारण पता चलेगा।वहीं छत्तीसगढ़ से अयोध्या दर्शन पूजन करने आए श्रद्धालु की भी हृदयाघात से मौत हो गई।मृतक की पहचान छत्तीसगढ़ निवासी 52 वर्षीय भोलाराम के रूप में हुई है।रामनगरी के होटल सूर्या में वह अपनी प्रदेश के अन्य श्रद्धालुओं के साथ ठहरे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुर्सी पर बैठे–बैठे अचानक वे अचेत हो गए। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिजनों ने सरयू के तट पर उनका अंतिम संस्कार कर दिया है। फिलहाल इस मामले की सूचना मृतक के परिजनों ने पुलिस को नहीं दी।

डाक अधीक्षक के सख्त रुख अपनाने पर कर्मचारियों के छूटे पसीने

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। डाक विभाग की आए दिन आने वाली शिकायत आने पर डाक अधीक्षक आरके श्रीवास्तव ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि मंडल के सभी उप डाकघर तथा शाखा डाकघरों का औचक निरीक्षण किया जाएगा जो कर्मचारी समय से ड्यूटी पर नहीं मिलेगा या डाकघर बंद मिलेगा उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए विभागीय कार्रवाई की जाएगी डाक अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने तल्ख रुख में कहा की लापरवाह कर्मचारियों को सबक अवश्य सिखाया जाएगा उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों का व्यवहार सरल नहीं है वह अपने व्यवहार में सुधार कर लें अन्यथा उन्हें भुगतना पड़ सकता है उन्होंने बताया कि उन्हें शिकायत मिल रही है कि ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघर अपने समय से ना खोले जा रहे हैं ना बंद किया जा रहे हैं तथा उप घरों में डाकघर में तैनात कर्मचारी लापरवाही वरत रहे हैं ऐसे कर्मचारी चिन्हित किए जाएंगे डाक अधीक्षक श्री श्रीवास्तव ने बताया कि औचक निरीक्षण के लिए सहायक डाक अधीक्षक एवं मंडल के सभी डाक निरीक्षक और स्वयं वह मंडल के डाकघरो का औचक निरीक्षण शुरू करेंगे इस दौरान अनुपस्थित मिलने वाले कर्मचारी या डाकघर बंद मिलने पर उनके विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों में कर्मचारियों के ऊपर लेनदेन के आरोप लगाया जा रहे हैं इनकी भी गंभीरता से जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर उन्हें निलंबित किया जाएगा उन्होंने कहा कि समय से कार्य शुरू करें और समय पर समाप्त करें उन्होंने कहा कुछ डाक कर्मचारी समझने के बावजूद भी अपनी मनमानी कर रहे हैं वह अब सुधर जाएं अन्यथा कार्यवाही के लिए तैयार रहे श्री श्रीवास्तव ने आधार और आईपीपीवी का कार्य नियम अनुसार करने की चेतावनी दी है उन्होंने कहा कि जायज धनराशि से ही खाता खोला जाए किसी को बेवजह परेशान ना किया आधार अपडेट करने वालों से निर्धारित फीस ली जाए किसी भी प्रकार की शिकायत पर कर्मचारियों को बक्सा नहीं जाएगा उन्होंने डाक वितरण में लगे कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि यदि डाक वितरण के दौरान लेनदेन करने की शिकायत मिली तो वह कार्रवाई के लिए तैयार रहे।

2023 का विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस नूर मंजिल मनोज चिकित्सा केंद्र पर मनाया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ – 10 अक्टूबर 2023 को, नूर मंजिल मनोज मेडिकल सेंटर ने मानसिक स्वास्थ्य के विभाग के साथ मिलकर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया, जिसका थीम था ष्मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक और सार्वभौमिक मानवीय अधिकार है।ष यह कार्यक्रम डॉ. अंजलि गुप्ता और डॉक्टर नायडू, के सुपरविजन में आयोजित किया गया था और इसका उद्देश्य मानसिक बीमारियों के संदर्भ में मानवीय अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मानसिक बीमारियों की समझ को प्रोत्साहित करना था।

इस आयोजन में वैभविक गतिविधियों और पहलों की एक श्रृंगारिक श्रृंगारिकता और समर्थन के लिए एक सिरीज शामिल था। यह कार्यक्रम डॉ. अंजलि गुप्ता और डॉक्टर नायडू, के सुपरविजन में संचालित हुआ और वैश्विक स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूकता फैलाने और मानसिक बीमारियों की जानकारी बढ़ाने पर मिला।

दिन भर में, विभिन्न सत्र और चर्चाओं का आयोजन किया गया, जो मानवीय अधिकारों को मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से बताने और मानसिक बीमारियों के प्रति व्यक्तिगत और समाज के परिणाम को बढ़ाने के लिए था।

मुख्य आयोजकों में से एक डॉ. अंजलि गुप्ता ने कहा, ष्विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एक महत्वपूर्ण मंच है जो समुदाय को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में शिक्षित करने और जुड़ने का कार्य करता है। यह एक याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल एक व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक मानवीय अधिकार भी है।ष

उन्होंने इस कार्यक्रम को संचालित करने वाले डॉक्टर नायडू ने बलाग किया, ष्हमारा लक्ष्य बताना है कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं वाले व्यक्तियों को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और सभी के लिए उनके मानसिक स्वास्थ्य देखभाल करने की सलाह दी।

42 वें रामायण मेला की बैठक संपन्न

वृहद एवम अविस्मरणीय होगा 10 दिवसीय राम बाजार के साथ 6 दिवसीय रामायण मेला।

अयोध्या। मणिराम दास छावनी में महंत नृत्य गोपाल दास जी की अनुमति से रामायण मेला समिति अयोध्या के कार्यवाहक अध्यक्ष महंत कमलनयन दास जी की अध्यक्षता में 42 वें रामायण मेला की बैठक संपन्न हुई। जिसमे रामायण मेला की अवधि 4 दिवस से बढ़कर 6 दिवस किया गया जिसमे दिसंबर 2023 में 10 दिसम्बर से 19 दिसंबर तक चलने वाले राम बाजार एवं रामायण मेला दिनाक 14दिसंबर से 19 दिसंबर तक रामायण मेला की तैयारियों को लेकर वृहद चर्चा हुई समिति के संरक्षण मंडल में जगद्गुरु श्री राघवाचार्य जी को एवम जगतगुरू रामदिनेशाचार्य जी को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया एवम मंत्री पद पर शरद चंद्र कपूर जी को चयनित किया गया ।

रामायण मेला समिति के संरक्षक डॉ निर्मल खत्री ने कहा राम मंदिर निर्माण के साथ ही अयोध्या की संस्कृति एवं वैभव को विश्व स्तर पर ले जाने में रामायण मेला को बृहद एवं विस्तार रूप इस वर्ष प्रदान किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि रामायण मेला के अवसर पर प्रकाशित होने वाली पत्रिका ष तुलसी दल ष मे इस वर्ष रामायण मेले कि अयोध्या के विकास मे चार दशकों रही भूमिका तथा अयोध्या धाम के धार्मिक व सांस्कृतिक महत्त्व के सभी प्रमुख स्थानों पर विशेष प्रकाश डालने का प्रस्ताव है। नगर विधायक वेद गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आवश्यक समस्त सहयोग प्रदान किया जाएगा।

वही महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने राम कथा पार्क 10 दिवसीय निशुल्क उपलब्ध कराने के साथ–साथ अन्य सुविधाएं नगर निगम अयोध्या की तरफ से प्रदान करने की घोषणा की।

समिति ने यह निर्णय भी लिया रामायण मेला की समस्त कार्य प्रक्रिया टेंडर द्वारा निर्धारित की जाएगी तथा शीघ्र ही इसके टेंडर का प्रकाशन किया जाएगा जिससे रामायण मेला कार्यक्रम के पूर्व ही समस्त प्रक्रियाएं समय से पूर्ण की जा सके। समिति के मंत्री रहे स्वर्गीय सरदार महेंद्र सिंह जी के लिए शोक प्रकट किया गया । समिति की बैठक में मुख्य रूप से रामायण मेला समिति कार्यकारी अध्यक्ष कमलनयन दास,उपाध्यक्ष महंत जन्मेजय शरण, संरक्षक डाक्टर निर्मल खत्री ,महामंत्री वीएन अरोरा ,कार्यकारी महामंत्री कमलेश सिंह मंत्री नागा राम लखन दास ,शरद चंद्र कपूर शैलेंद्र मोहन मिश्र (छोटे) एस.एन. सिंह ,कार्यालय मंत्री नंदकुमार मिश्रा पेड़ा महाराज, श्री निवास पोद्दार ,विधायक वेद गुप्ता, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी , संयोजक आशीष मिश्रा एवम मंत्री उमेश श्रीवास्तव एवम अवधेश अग्रहरी आदि उपस्थित रहे ।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत 1578 महिला लाभार्थियों ने कराया जांच

अयोध्या। सोमवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिला महिला चिकित्सालय के अलावा सभी सीएचसी व पीएचसी केन्द्रों पर 1578 महिलाओं ने जांच कराया। इस मौके पर वहां पर मौके पर मौजूद चिकित्सकों ने वहां पर आई गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जाँचें किया।जिसमें खासकर हीमोग्लोबिन,शुगर,ब्लड ग्रुप,एचआईवी,वजन, ब्लडप्रेशर, अल्ट्रासाउंड एवं अन्य जांच एवं मुफ्त निःशुल्क उपचार की सेवाएँ प्रदान की गई।सीएमओ डॉ संजय जैन ने बताया कि इस मौके पर गर्भवती महिलाओं के ब्लड प्रेशर, ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट, हीमोग्लोबिन जांच और अल्ट्रासाउंड का टेस्ट निःशुल्क किया जाता है।ऐसी महिलाएं जिनकी तवियत ज्यादा गंभीर होती हैं उन्हें उच्च चिकित्सा केन्द्रों के लिए रेफर कर दिया जाता है। इस मौके पर महिला रोग विशेषज्ञ की देख रेख में गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच कर उनका टीकाकरण उन्हें विटामिन,आयरन–फॉलिक एसिड व कैल्शियम की दवाएं वितरित किया गया।इस मौके पर एसीएमओ डॉ0 आर.के. सक्सेना,संगीता,जिला कार्यक्रम प्रबंधक राम प्रकाश पटेल,डीसीपीएम अमित कुमार सहित अन्य चिकित्सा कर्मी मौजूद रहे।

महिला शक्ति द्वारा आयोजित वायु सेवा दिवस पर शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी गई।

अयोध्या। शहीद स्मारक सेवा समिति के महिला शक्ति द्वारा ८ अक्टूबर वायु सेना दिवस पर मुख्य अतिथि पूर्व वायुसेना अधिकारी विनोद बहादुर मिश्र घ्व विशिष्ट अतिथि पूर्व वायुसेना अधिकारी राज गोपाल शुक्ला व जल पुलिस के जांबाज प्रभारी रूबै प्रताप मौर्य व सिपाही नित्यानंद यादव ने अमर जवान मंगल पांडे चौक स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण एवं मोमबत्ती जलाकर वायु सेना के शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रीतम सिंह ने किया, संचालन ओमप्रकाश सिंह नाहर ने किया, महिला शक्ति की अध्यक्ष रीना द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत किया वायु सेना के पूर्व अधिकारी विनोद बहादुर मिश्र घ्व विशिष्ट अतिथि पूर्व वायुसेना अधिकारी राजध गोपाल शुक्ला व जल पुलिस के जांबाज प्रभारी रूबै प्रताप मौर्य व नित्यानंद यादव को राजेन्द्र प्रताप सिंह पूर्व पुलिस उपाधीक्षक के संयोजकत्व में अंगवस्त्र पहनाकर महासचिव आंनद अग्रहरि व सचिव शरद सिंह तथा युवा शक्ति के अध्यक्ष अजय मौर्य ने अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया।

ज्ञातध होध कि अयोध्या फैजाबाद के फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुषांग ने १९४८ के आपरेशन में वीर चक्र पाया था विंग कमांडर धीरेन्द्र सिंह जफा ने १९ ६५ भारत पाक युद्ध में वायु सेना मेंडल व १९७१ के युद्ध में जांबाजी के लिए वीर चक्र पाया था।

देश व वायु सेना सैल्यूट करती है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कवींद्र साहनी, सचिन सरीन, अनिल कुमार चौहान, समता शुक्ला, विनोद कुमार शर्मा, भारती सिंह, संदीप मध्यान्ह, बुद्धेश्वर मिश्र, हवलदार भोनी व मीडिया प्रभारी मानव मेहरोत्रा ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

सनातन धर्म को समाप्त करने का षड्यंत्र है जातिगत जनगणना: मृत्युंजय दीक्षित

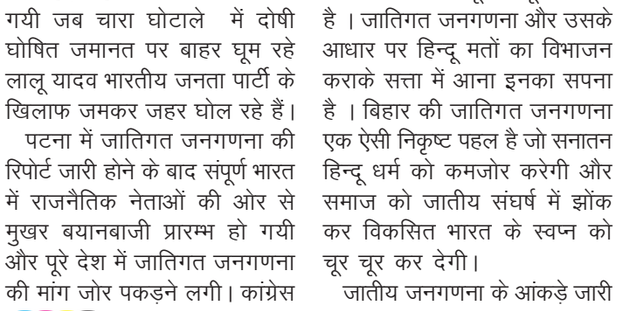

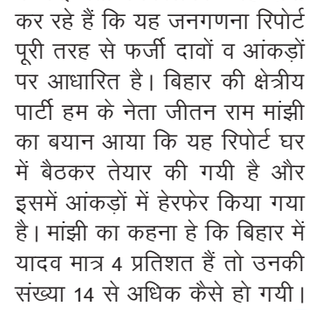

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। बिहार के मुख्यमंत्री व आई,एन.डी,आई.ए. गठबंधन के एक संभावित नेता नीतिश कुमार ने आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय जनता पार्टी से मुकाबला करने के लिए बिहार में कराई गई जातिगत जनगणना की रिपोर्ट दो अक्टूबर को जारी कर दी है। विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान होने के मात्र एक सप्ताह पूर्व जारी की गयी यह रिपोर्ट स्पष्ट संकेत देती है कि यह इन नेताओं का चुनावी स्टंट मात्र है। यह रिपोर्ट तब जारी की गयी जब चारा घोटाले में दोषी घोषित जमानत पर बाहर घूम रहे लालू यादव भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ जमकर जहर घोल रहे हैं।

पटना में जातिगत जनगणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद संपूर्ण भारत में राजनैतिक नेताओं की ओर से मुखर बयानबाजी प्रारम्भ हो गयी और पूरे देश में जातिगत जनगणना की मांग जोर पकड़ने लगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तत्काल बयान दिया कि जब देश में उनकी सरकार आयेगी तब संपूर्ण भारत में जातिगत जनगणना करायी जायेगी और साथ ही एक नारा भी उछल दिया "जिसकी जितनी आबदी उसका उतना हक"।

वर्तमान राजनैतिक दौर में भारत के सभी विपक्षी और क्षेत्रीय दल यह सोच रहे हैं कि जातिगत जनगणना व अनुसूचित जाति, जनजति, आदिवासी व वंचित समाज को आरक्षण के नाम पर बरगलाकर भाजपा को हराया जा सकता है या फिर द्रमुक के विचारों के अनुरूप सनातन धर्म का संपूर्ण उन्मूलन संभव है । जातिगत जनगणना और उसके आधार पर हिन्दू मतों का विभाजन कराके सत्ता में आना इनका सपना है । बिहार की जातिगत जनगणना एक ऐसी निकृष्ट पहल है जो सनातन हिन्दू धर्म को कमजोर करेगी और समाज को जातीय संघर्ष में झोंक कर विकसित भारत के स्वप्न को चूर चूर कर देगी।

जातीय जनगणना के आंकड़े जारी होने के प्रारंभ के एक दृदो दिन आई,एन.डी,आई.ए. गठबंधन को ऐसा प्रतीत होने लगा कि वह भाजपा को दबाव में लाने में सफल हो गया है किंतु समय बीतने के साथ साथ जातिगत जनगणना एक विद्रूप राजनैतिक स्टंट के रूप में ही पहचानी जा रही है।

अब यह समाचार भी आ रहे हैं कि नीतिश कुमार ने बिहार व राष्ट्रीय राजनीति में राजनैतिक अस्तित्व को बचाए रखने और अतिपिछड़ों का नायक बनने के लिए यह रिपोर्ट जल्दबाजी में जारी कर दी है। बिहार के कई नेता व विश्लेषक यह दावा कर रहे हैं कि यह जनगणना रिपोर्ट पूरी तरह से फर्जी दावों व आंकड़ों पर आधारित है। बिहार की क्षेत्रीय पार्टी हम के नेता जीतन राम मांझी का बयान आया कि यह रिपोर्ट घर में बैठकर तेयार की गयी है और इसमें आंकड़ों में हेरफेर किया गया है। मांझी का कहना हे कि बिहार में यादव मात्र 4 प्रतिशत हैं तो उनकी संख्या 14 से अधिक कैसे हो गयी। वहीं पूर्व कानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद का कहना है कि उनके घर कोई भी अधिकारी जनगणना के लिए नहीं आया और न ही उनसे हस्ताक्षर करवाये गये। बिहार की कुल जनगणना में 82 प्रतिशत हिंदू आबादी है जबकि मुस्लिम आबादी 17.7 प्रतिशत हो गयी है। यानि बिहार में हिंदू आबादी का प्रतिशत घट गया है जबकि तो मुस्लिम आबादी का 2.3 प्रतिशत बढ़ा है।

बिहार की जातिगत जनगणना में अत्यंत पिछडा वर्ग 36 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग 27.12 प्रतिशत अनुसूचित जाति 19.65 प्रतिशत अनारक्षित वर्ग केवल 15.52 प्रतिशत है। बिहार की यह जातिगत जनगणना इतने विरोधाभासों से भरी है कि यह स्वयं स्पष्ट कर रही है कि यह केवल और केवल हिंदू समाज को जाति के नाम पर बांटने का एक सुनियोजित व घृणित षड्यंत्र है। 1931 में भारत को खंड खंड करने की जो साजिश अंग्रेज नहीं कर पाये उस कार्य को पूर्ण करने का पाप अब बिहार के 73 वर्षीय मुख्यमंत्री नीतिश कुमार कर रहे हैं। नीतिश कुमार ने सोचा था कि वह ऐसा करके महानायक बन जायेंगे किंतु अब वही इस जाल में फंसते दिख रहे हैं। जातिगत जनगणना से उठे यक्ष प्रश्न न केवल नीतीश कुमार वरन आई,एन.डी,आई.ए. गठबंधन पर भी भारी पड़ रहे हैं। बिहार की जातिगत जनगणना की रिपोर्ट से पता चल रहा है कि नीतीश पिछड़ों व अतिपिछड़ों के नेता नहीं रह गए हैं और बिहार की राजनीति अब यादव मुस्लिम गठजोड़ की दिशा पकड़ेगी।

वशिष्ठ सम्मान से नवाजे गए महंत कौशल किशोर फलाहारी।

वशिष्ठ फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष महान विभूतियों को किया जाता है सम्मानित।

अयोध्या। श्रीराम नगरी के नया घाट स्थित तुलसी उद्यान में रविवार अश्वनी मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को वशिष्ठावतार के रूप में ख्याति प्राप्त पं. उमापति त्रिपाठी के 230 वीं जयंती के अवसर पर वशिष्ठ सम्मान से नवाजे गए ब्रह्मलीन श्री राजगोपाल मन्दिर के श्री महंत कौशल किशोर फलाहारी जी महाराज और स्वतंत्रता आन्दोलन के प्रमुख क्रान्तिकारी रहे" वृजनन्दन ब्रह्मचारी सम्मान से सम्मानित हुए योगाचार्य डॉ चौतन्य को अयोध्या के पौराणिक गुरुवशिष्ठ पीठ तीन कलशा श्री तिवारी मंदिर के परिसर में स्थापित वशिष्ठ फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष अयोध्या नगर निगम के महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी के संयोजन में अयोध्या के विशिष्ट संतो महंतों की उपस्थिति में दोनों महापुरुषों को सम्मानित किया गया। वशिष्ठ सम्मान सनातन धर्म के प्रचार प्रसार एवं संस्कृति की रक्षा करने वाले विशिष्ट महापुरुषों एवं बृजनंदन ब्रह्मचारी सम्मान सामाजिक क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले मूर्धन्य महापुरुषों को दिया जाता है।सम्मान समारोह की अध्यक्षता श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र के अध्यक्ष मणिरामदास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास किसी से उत्तराधिकारी कमल नयन दास और संचालन रघुनाथ शास्त्री ने किया। वशिष्ठ सम्मान श्री महंत कौशल किशोर फलाहारी महाराज के शिष्य सर्वेश्वर दास उर्फ शरद शुक्ला को सम्मान पत्र के साथ 51000 एवं वृजनन्दन ब्रह्मचारी सम्मान डॉ चौतन्य को सम्मान पत्र के साथ 21000 नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का शुभारंभ वशिष्ठावतार पंडित उमापति त्रिपाठी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके किया गया। अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा हमारा सत्कर्म है कि पूर्वाचार्य मनीषियों के चिंतन करने का अवसर प्राप्त और वशिष्ठ फाउंडेशन के माध्यम से महान विभूतियों के आशीर्वाद का अवसर प्राप्त हो रहा है। महंत गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि पूज्य गुरुदेव फलाहारी जी को दी गई सम्मान राशि गुरु भाइयों के संयुक्त निर्णय से उनकी मूर्ति में लगाई जाएगी जो राजगोपाल मंदिर में प्रतिष्ठित की जाएगी।

बिजली के अंधाधुंध कटौती से ग्रामीण क्षेत्रों में हाहाकार राम राज्य में बिजली हुई छुई मुई।

सोहावल–अयोध्या। क्षेत्र अंधाधुंध बिजली कटौती से जनजीवन अस्त व्यस्त है। इमरजेंसी रोस्टिंग के नाम पर हर दो घंटे के बाद बिजली कटौती की जा रही है। जिसके चलते लोग परेशान हैं। बिजली आने जाने का कोई समय कोई निर्धारित नहीं है। गर्मी से बेहाल लोग छतों पर सो रहे हैं। जिसके चलते क्षेत्र में चोरी की घटनाएं होने का खतरा बना हुआ है। उप केंद्र से बिजली कटौती व लो वोल्टेज से आम जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। दो–दो घंटे रोस्टिंग रहती है बिजली कब आएगी, कब जाएगी कोई समय निश्चित नहीं है। रात में तो कई बार बिजली कटौती से लोगो का हाल बेहाल है। बिजली कटौती से दैनिक दिनचर्या, पेयजल आपूर्ति प्रभावित है तो । बिजली उपकेंद्र फोन करने पर भी फोन को रिसीव नही किया जाता है। चौबीस घंटे में महज सात से आठ घंटे बिजली रह रही है। यह स्थिति पिछले कई दिनों से बनी हुई है। बिजली की दगाबाजी के चलते लोगों के रात की नींद व चौन छीन गया है। विद्युत उपभोक्ता इन दिनों रोस्टिंग से काफी परेशान हैं। लोग पहले से ही विद्युत समस्याओं से आजिज हैं मगर इस समय मानकों व घोषणा के हिसाब से विद्युत सप्लाई नहीं मिल पा रही है।तहसील क्षेत्र सोहावल की विद्युत सप्लाई स्थानीय उपकेन्द्र से की जाती है। क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याएं लम्बे समय से खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। विद्युत की उचित आपूर्ति न होने से क्षेत्र के किसान, व्यापारी, विद्यार्थी व आमजन बेहाल है, जिसका कोई पुरसाहाल नहीं हैं। विद्युत आधारित व्यापारियों का कहना है कि बिजली की आंख मिचौली हम लोगों के व्यवसाय पर भारी पड़ रहा है। समय से बिजली न मिल पाने के कारण क्षेत्र के अधिकांश व्यापारियों का व्यवसाय ठप होने के कगार पर पहुंच गया है। पावर कारपोरेशन रूदौली डिविजन के लिए हो रहे सौतेले व्यवहार से रोष्टिंग हो रही है। जन प्रतिनिधि आंख मूंदे हुए है अधिकारी बकाया दारो की गरीबी को नजरदांज कर दिन दूनी रात चौगुनी बिल बढाकर राजस्व की वसूली कर रहे है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।